केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 178 मंगलवार 21 जनवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

पंचायत भवन का ताला तोड़कर चोरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। परसरामपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत जगन्नाथपुर स्थित पंचायत भवन का शनिवार की रात अज्ञात चोरों द्वारा कम्प्यूटर रूम का ताला तोड़कर कंप्यूटर, डीवीआर, प्रिंटर, वेव कैमरा व माउस पर चोरों ने अपना हाथ साफ कर दिया । रविवार को सुबह जब पंचायत सहायक पंचायत भवन पर गए तो देखा की ताला टूटा हुआ है और सब समान गायब है जिसकी सूचना ग्राम प्रधान कामरान हसन को दिया गया ।जब जांच पड़ताल शुरू हुई तो चोरी हुए सामान में से एक सामान गाँव के तालाब में फेंका हुआ मिला ।इसकी लिखित शिकायत ग्राम प्रधान ने परसरामपुर थाने में शिकायत दर्ज कराकर चोरी का सामान बरामद कराने की मांग किया।

चिल्ड्रेन हॉस्पिटल को नोटिस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला अस्पताल और दक्षिण दरवाज रोड स्थित बस्ती चिल्ड्रेन हॉस्पिटल का सीएमओ डॉ. आरएस दूबे ने औचक निरीक्षण किया। सीएमओ ने बताया कि जांच के दौरान अस्पताल मानक पर नहीं मिला। संबंधित संचालक को नोटिस देकर जवाब मांगा गया है। स्पष्ट जवाब नहीं मिलने पर अस्पताल को सील कर दिया जाएगा। शिकायत मिलने पर रविवार शाम को सीएमओ बस्ती चिल्ड्रेन हॉस्पिटल पहुंचे। निरीक्षण के दौरान एनआईसीयू में एक नवजात शिशु भर्ती पाया गया, लेकिन मौके पर कोई चिकित्सक उपस्थित नहीं था। यहां एक एएनएम मौजूद थी। सीएमओ ने बताया कि निरीक्षण के दौरान आधे घंटे बाद एक चिकित्सक मो. आमिर जो खुद को बाल रोग विशेषज्ञ बताते हुए उपस्थित हुए। ओपीडी कक्ष के समीप ही एक किचन बनाया गया है, जहां चाय आदि बनाया जाता है। बेसमेंट में कई बेड लगे हुए थे जिससे प्रतीत होता है कि यहां मरीजों को भर्ती किया जाता है। बताया गया कि सीएमओ कार्यालय में मात्र एक एमबीबीएस चिकित्सक रजिस्टर्ड थे। लेकिन, डॉ. आमिर द्वारा बताया गया कि मैं ही यहां पर सेवाएं दे रहा हूं, जिसकी सूचना सीएमओ कार्यालय में दी गई है लेकिन उससे संबंधित कोई कागजात इनके द्वारा उपलब्ध नहीं कराया जा सका, जबकि अभिलेख में किसी और चिकित्सक का नाम दर्ज है। सीएमओ ने कहा कि इस चिकित्सालय में कार्यरत चिकित्सक और स्टाफ को और अधिक प्रशिक्षण की आवश्यकता है। बताया कि सोमवार तक जवाब नहीं मिलने पर अस्पताल को सील कर दिया जाएगा।

मासूम के गले में फंसे सिक्के को निकाला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला अस्पताल बस्ती में एक मासूम के गले में अटका सिक्का निकाल चिकित्सक और स्टाफ ने उसकी जान बचा ली। गले से सिक्का निकलते ही मासूम ने राहत की सांस ली और दर्द से छुटकारा मिला तो परिजन खुश हो गए। गोंडा जिले के तरबगंज क्षेत्र के गांव धमनपुरवा की तीन साल की धानी को लेकर परिजन रविवार की देर रात जिला अस्पताल बस्ती पहुंचे। यहां परिजनों ने बताया कि धानी दिन में घर रखे पांच रुपये के सिक्के के साथ खेल रही थी। खेलते समय सिक्का मासूम के गले में चला गया और अटक गया। इससे उसे सांस लेने और खाने–पीने में तकलीफ होने लगी और बच्ची दर्द से छटपटा रही थी। परिजनों ने बताया कि उसे स्थानीय सीएचसी पर ले गए, वहां उपचार नहीं हो सका और रेफर कर दिए। कई निजी डॉक्टरों को भी दिखाया गया तो हाथ खड़े कर दिए। यहां रात सवा 11 बजे इमरजेंसी में तैनात डॉक्टर कमल नयन मिश्रा ने तत्काल जांच की। एक्स–रे कराया तो गले में सिक्का अटका हुआ था। उन्होंने स्टाफ आदित्य उपाध्याय के सहयोग से नई तकनीक से बच्ची के गले में ड्यूब डाला और धीरे–धीरे सिक्के को बाहर निकाला। गले से सिक्का निकलने पर बच्ची को राहत मिली और सांस लेने लगी। कुछ देर फालोअप में रखा गया, उसके बाद बच्ची को घर भेज दिया गया।

ट्रंप ने किए 3 बड़े ऐलान

वाशिंगटन (आभा)। डोनाल्ड ट्रंप ने उन्होंने कहा कि हम अमेरिका को वापस उसका गौरव दिलवाएंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने इसके लिए मेक अमेरिका ग्रेट अगेन का नारा दिया।

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। शपथ लेने से पहले ट्रंप ने एक विक्ट्री स्पीच दी है। इस विक्ट्री स्पीच में डोनाल्ड ट्रंप ने तीन नए ऐलान किए। ट्रंप ने कहा कि हम अमेरिका को फिर से महान देश बनाएंगे। डोनाल्ड ट्रंप का नारा मेक अमेरिका ग्रेट अगेन पीएम मोदी की रणनीति से मेल खाता है। पीएम मोदी ने सत्ता संभालने के कुछ समय बाद से ही ये बोलना शुरू कर दिया था कि वो भारत को विश्वगुरु बनाएंगे। मोदी सरकार ने भारत को आगे बढ़ाने के लिए मेक इन इंडिया, वोकल फॉर लोकल और स्वदेशीकरण पर जोर दिया। पीएम मोदी ने कहा कि भारत के लोगों में हिम्मत और क्षमता की कमी नहीं है।

अब यही डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका में कर दिखाया। उन्होंने कहा कि हम अमेरिका को वापस उसका गौरव दिलवाएंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने इसके लिए मेक अमेरिका ग्रेट अगेन का नारा दिया। ट्रंप ने अपनी विक्ट्री स्पीच में कहा कि हम अपने स्कूलों में देशभक्ती की भावना को दोबारा लाएंगे। यानी अमेरिकी लोगों के मन में देश के प्रति इज्जत और देशभक्ती होनी चाहिए। ट्रंप ने कहा कि वो अमेरिका से लेफ्ट वामपंथियों को उखाड़ फेकेंगे। उन्होंने कहा कि हम सेना और सरकार को कट्टर वामपंथी विचारधारा से मुक्ति दिलाएंगे। ट्रंप के मुताबिक इसमें एजेंडा चलाने वाले पत्रकार, अखबार, इंफ्लूएंसर, एलजीबीटी क्यू, फेमनिस्ट लॉबी और जॉर्ज सोरोस जैसे लोगों का इकोसिस्टम है। वो इस इकोसिस्टम को बर्बाद कर देंगे। हैरानी वाली बात है कि ठीक छह महीने पहले पीएम मोदी ने भी यही बयान दिया था। पीएम मोदी ने संसद में खड़े होकर कहा था कि ये इकोसिस्टम 70 साल तक फला–फूला है। मैं आज इस इकोसिस्टम को चेतावनी देता हूं मैं इस इकोसिस्टम को चेताना चाहता हूं कि इस इकोसिस्टम की जो हरकतें हैं, जिस तरह इकोसिस्टम ने ठान लिया है कि देश की विकास यात्रा को रोक देंगे, देश की प्रगति को डिरेल कर देंगे, मैं आज इकोसिस्टम को बता देना चाहता हूं कि उसकी हर साजिश का जवाब अब उसी की भाषा में मिलेगा। ये देश देशविरोधी साजिशों को कभी भी स्वीकार नहीं करेगा।

ट्रेन में 120 शीशी शराब के साथ एक गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जीआरपी बस्ती थाने की टीम ने सोमवार को 120 शीशी अंग्रेजी शराब के साथ बिहार के एक तस्कर को लखनऊ–बरौनी एक्सप्रेस ट्रेन से गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया। जीआरपी के प्रभारी निरीक्षक महेंद्र प्रताप चतुर्वेदी ने बताया कि शराब की अवैध तस्करी को रोकने के क्रम में पुलिस टीम ने लखनऊ से बरौनी की ओर जा रही ट्रेन की जांच की। टीम ने ट्रेन से 120 ब्रांडेड अंग्रेजी शराब की शीशी बरामद की। शराब की मात्रा लगभग 25 लीटर है। इसका बाजार मूल्य लगभग 15 हजार रुपये है। शराब का परिवहन कर रहे बिहार के बेगुसराय जिले सलेमपुर तीतु तेघरा थाना तेघरा निवासी सूरज कुमार (20) को हिरासत में लिया। पुलिस की पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि बिहार में शराब बंदी के कारण वहां शराब की काफी मांग है। शराब काफी महंगे दाम पर बिक जाती है। वह यहां से शराब ले जाकर बिहार में बेचने का कार्य करता है। पुलिस शराब तस्कर के आपराधिक इतिहास के बारे में जानकारी जुटा रही है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में एसआई श्रवण यादव, हेड कांस्टेबल सूर्यनाथ यादव, रणविजय कुमार वर्मा व कांस्टेबल संदीप कुमार शामिल रहे।

कांग्रेस ने शुरू किया ''जय बापू, जय भीम'' अभियान पद यात्रा

जय बापू जय भीम
जय संविधान
सौजन्य से
जिला कांग्रेस कमेटी-बस्ती

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कांग्रेस पार्टी संविधान में निहित मूल्यों की विरासत को संरक्षित करने के लिये प्रतिबद्ध है। इसी पार्टी ने देशभर में ''जय बापू, जय भीम'' अभियान शुरू किया है। इसके तहत जिलो और ब्लाक मुख्यालों पर लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। सोमवार को दुबौलिया विकास क्षेत्र के महुलानी से रखिया बाजार तक पदयात्रा निकाली गई।

जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय के नेतृत्व एवं अनूप पाठक के संयोजन में निकली यात्रा के दौरान ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर ''जय बापू, जय भीम'' अभियान के बारे में जानकारी दी गई। जिलाध्यक्ष ने कहा भारतीय जनता पार्टी संवैधानिक मूल्यों की रक्षा को लेकर बिलकुल गंभीर नही है। भाजपा का वश चले तो संविधान हाशिये पर होगा और वे मनुस्मृति को संविधान बनाकर लागू कर देगी। ऐसी स्थिति में संविधान की रक्षा का हर भारतीय को संकल्प लेना होगा। इस अवसर पर शौकत अली नन्हू, पिण्टू मिश्रा, राजबहादुर निषाद, चन्द्रशेखर चौधरी, डीएन शास्त्री, अलीम अख्तर, लक्ष्मी, अशोक पाण्डेय, रमेश प्रधान, मोनू साहू, केके गौतम, आज्ञाराम, शिवपूजन, अखिलेश, शैलेष, सुनीता, मंजूश्री, मालती देवी, लबदहा, कुसुम, सीता, गीता, संदीप, परशुराम, ज्ञानमती आदि मौजूद रहीं।

सम्पूर्ण समाधान दिवस 53 मामलों में 9 निस्तारित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बस्ती सदर तहसील सभागार में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने अधिकारियों के साथ जनसमस्याओं की सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्धता के साथ गुणवत्तापरक निस्तारण का निर्देश दिया। जिलाधिकारी द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि जनसमस्याओ का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण व समयबद्धता के साथ करें। जनसमस्याओं के निस्तारण में अनावश्यक हिला–हवाली को अत्यन्त गम्भीरता के साथ लिया जायेंगा।

उन्होने यह भी कहा कि अधिकारियों द्वारा जनसमस्याओं के निस्तारण का समय–समय पर गुणवत्ता आख्या उच्चाधिकारियों द्वारा अवलोकन किया जायेंगा। इसमें किसी भी स्तर पर गुणवत्ता आख्या ठीक न पाये जाने पर संबंधित के विरूद्ध विभागीय कार्यवाही की जायेंगी। जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिकायतकर्ता के विवाद/समस्या के निस्तारण हेतु विवादित स्थल पर जाने से पूर्व उनको फोन द्वारा अवगत कराते हुए दोनों पक्षों को गम्भीरतापूर्वक सुनने के बाद निस्तारित करें।

पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन ने पुलिस विभाग से संबंधित प्रकरणों की सुनवाई करते हुए पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों को समयानतर्गत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना सुनिश्चित करें। उप जिलाधिकारी शत्रुध्न पाठक ने बताया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 53 मामले प्राप्त हुए, जिसमें से 09 का मौके पर निस्तारित किया गया। इसमें राजस्व के 13, पुलिस के 12, विकास के 10, विद्युत के 06, चकबन्दी के 04, पूर्ति के 03 तथा अन्य के 05 मामले है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में सीएमओ डा. आर.एस. दुबे, पीडी राजेश कुमार, डीडीओ अजय सिंह, डीएफओ जय प्रकाश, उप निदेशक कृषि अशोक कुमार गौतम, जिलापूर्ति अधिकारी सत्यवीर सिंह, सीबीओ राजेश त्रिपाठी, ईओ नगरपालिका सुनिष्ठा सिंह, मत्स्य अधिकारी संदीप वर्मा, क्षेत्राधिकारी पुलिस, तहसीलदार सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

महाकुंभ में लगातार दूसरे दिन लगी आग

प्रयागराज (आभा)। महाकुंभ में लगातार दूसरे दिन आग लग गई। सोमवार को मेला क्षेत्र के सेक्टर 16 में किन्नर अखाड़ा के सामने टेंट में आग लगी। एक तरफ कल्पवासियों ने आग बुझाने की कोशिश शुरू की तो दूसरी तरफ वॉच टॉवर पर तैनात कर्मचारियों ने अग्निशमन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग मौके पर पहुंचा और तत्परता दिखाते हुए आग को अन्य टेंट तक फैलने से पहले ही रोक लिया। इससे पहले रविवार की शाम गीता प्रेस गोरखपुर के शिविर में सिलेंडर ब्लास्ट के बाद आग भड़की थी। इसमें कई दर्जन कॉटेज जलकर राख हो गए थे। फायर ब्रिगेड ने तत्परता दिखाते हुए आग को चारों तरफ से घेरकर बुझा दिया। इससे भीषण आग गीता प्रेस के शिविर से बाहर अन्य शिविरों तक नहीं पहुंच सकी थी।

इस बीच सोमवार की सुबह करीब नौ बजे सेक्टर–16 में किन्नर अखाड़ा के सामने टेंट में आग लग गई। आग देखते ही आसपास के लोगों में खलबली मच गई। हालांकि लोगों ने हिम्मत से काम लिया और खुद ही बाल्टी से पानी लेकर आग को बुझाने की कोशिश में जुट गए। इसी बीच वॉच टॉवर पर तैनात कर्मचारियों ने आग देखते ही फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही मौके पर फायरकर्मी और फायर बुलेट पर सवार टीमें पहुंच गईं। हालांकि तब तक टेंट में ठहरे लोग और आसपास के लोगों ने बाल्टी से पानी डालकर काफी हद तक आग पर काबू कर लिया थाा।

अग्निशमन विभाग के नोडल अधिकारी प्रमोद शर्मा ने बताया कि आग को बुझा दिया गया है। किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि लगातार मेला क्षेत्र में टेंटों व अखाड़ों में ठहरे श्रद्धालुओं को गाइड लाइन का पालन करने के प्रति प्रेरित किया जा रहा है। ताकि दिव्य व भव्य के साथ महाकुम्भ को सुरक्षित बनाया जा सके।

उन्होंने एक बार फिर लोगों से अपील की कि टेंट में किसी प्रकार की आग न जलाएं। माना जा रहा है कि आज की आग बीड़ी, सिगरेट या अन्य धुम्रपान वाली चीज से लगी है। फिलहाल आग के नहीं भड़कने से सभी ने राहत की सांस ली है। फायर ब्रिगेड के कर्मी लगातार अब लोगों के बीच जा रहे हैं और लोगों को आग के प्रति जागरूक कर रहे हैं।

बाबा रामदेव, आचार्य बालकृष्ण के विरूद्ध वारंट जारी

तिरूअनन्तपुरम (आभा)। केरल की एक अदालत ने भ्रामक विज्ञापनों के मामले में योग चिकित्सक बाबा रामदेव, आचार्य बालकृष्ण और दिव्य फार्मेसी के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है। पलक्कड़ में न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट द्वितीय ने व्यक्तिगत उपस्थिति के लिए समन जारी होने के बावजूद अदालत में उपस्थित होने में विफल रहने के बाद 16 जनवरी को वारंट जारी किया। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि शिकायतकर्ता अनुपस्थित है। सभी आरोपियों को जमानती वारंट दिया गया है।

वैदिक मंत्रों के बीच सद्दाम बना शिवशंकर

—विश्व हिन्दू महासंघ की पहल:कुंआनों तट पर कराया गंगा जल से स्नान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को हिन्दू संस्कृति, सनातन परम्परा से प्रभावित होकर नगरथाना क्षेत्र के नगर बाजार निवासी सद्दाम पुत्र अब्दुल कलाम शिवशंकर बन गया। विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह के संयोजन में अमहट घाट पर वैदिक मंत्रों के बीच गंगा जल स्नान कराकर उसकी घर वापसी करायी गई। अखिलेश सिंह ने कहा कि अपने देश भारत में अनेक हिन्दू भय बश मुसलमान बन गये थे और अब वे धीरे–धीरे सच्चाई को समझते हुये सनातन धर्म की ओर वापस आ रहे हैं।

कुंआनों तट पर बड़ी संख्या में उपस्थित नागरिकों, विश्व हिन्दू महासंघ पदाधिकारियों की उपस्थिति में सद्दाम से शिवशंकर सोनी बनने वाले युवक ने कहा कि सच्चे अर्थो में आज उसकी घर वापसी हुई है। इस अवसर पर मुख्य रूप से अमरजीत, विजय शंकर शुक्ला, सौरभ तिवारी, कुलदीप मिश्रा, कैप्टन विश्वनाथ चौधरी, शैलेंद्र प्रताप सिंह, परमानंद गुप्ता, बालकिशन सिंह, मुन्ना सिंह, दिनेश सिंह, सौरभ चतुर्वेदी, शिवम पाण्डेय,डॉ. परशुराम साहनी, चन्द्रेश पाठक, विपिन सिंह, राकेश सिंह, राजेश विधायक, शिव सहाय कसौधन, सौरभ दुबे, डब्लू सिंह, राणा प्रदीप सिंह, दीपू, अरविंद सिंह, विकास शर्मा, राजकुमार सिंह, जवाहरलाल, संदीप कमलापुरी, जगत मोहन सिंह बिक्कू, पूनम सिंह, संजू सिंह, अनसूया पाण्डेय, प्रिया गुप्ता, अखंड प्रताप सिंह, राम सिंह, किशन गुप्ता, रोहित श्रीवास्तव, शिवकुमार वर्मा, रोहित पाण्डेय, रोहित श्रीवास्तव के साथ ही विश्व हिन्दू महासंघ के अनेक पदाधिकारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

डॉ. राम कृष्ण लाल जगमग साहित्य गौरव पुरस्कार से अलंकृत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान उ.प्र. द्वारा वरिष्ठ कवि डॉ. राम कृष्ण लाल 'जगमग' के साहित्यिक योगदान के लिये उन्हें 'साहित्य गौरव' पुरस्कार से अलंकृत किया गया। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में उन्हें वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों की उपस्थिति में अलंकृत किया।

पिछले पांच दशक से साहित्य के क्षेत्र में निरन्तर सक्रिय और 'चाशनी' से लेकर ' किसी की दिवाली किसी का दिवाला' विलाप खण्ड काव्य, 'हम तो केवल आदमी है' ' सच का दस्तावेज' खुशियों की गौरैया, 'बाल सुमन' बाल स्वर, आदि कृतियों के रचयिता डॉ. जगमग कृत चांशनी का अब तक 6 संस्करण प्रकाशित हो चुका है।

डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग' को 'साहित्य गौरव' पुरस्कार से अलंकृत किये जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये चिकित्सक एवं साहित्यकार डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि डा. जगमग ने जहां स्वयं अनेकों कृतियां समाज को दिया वहीं वे पूर्वान्चल में समर्थ कवियों की पीढी

राज्य क... साहित्य संस्थान
मुख्य अतिथि
CHEMISTRY

तैयार कर रहे हैं. निश्चित रूप से यह कठिन कार्य है, नई पीढी उनसे बहुत कुछ सीख सकती है। डा. जगमग का रचना संसार जन सरोकारों से जहां सीधा जुड़ा है वहीं उनके कटाक्ष और तीखे व्यंग्य श्रोताओं की जुबान पर चढ़े हुये है। चाशनी अनूठी कृति है जिसकी उपयोगिता सदैव बनी रहेगी। वे चाशनी से ही दुमदार दोहों के जनक माने जाते हैं। वरिष्ठ कवि महेश प्रताप श्रीवास्तव ने कहा कि डा. जगमग से साहित्य जगत को बहुत अपेक्षायें हैं, निश्चित रूप से वे इस पर खरा उतरेंगे।

सम्मान से अभिभूत डा. जगमग ने कहा कि उन्होने जिस तरह से जीवन को देखा उसे शव्दों में उतार दिया. यह क्रम अनवरत जारी है। पुरस्कारों से और बेहतर सृजन की क्षमता मिलती है।

डॉ. राम कृष्ण लाल 'जगमग' को सम्मानित किये जाने पर ज्ञानेन्द्र द्विवेदी 'दीपक' विनोद कुमार उपाध्याय, डा. त्रिभुवन प्रसाद मिश्र, बी.के. मिश्र, डा. अफजल हुसेन 'अफजल', पेशकार मिश्र, अर्चना श्रीवास्तव, दीपक सिंह प्रेमी, शाद अहमद शाद, जगदम्बा प्रसाद 'भावुक' डा. अजीत श्रीवास्तव, डा. हेमा पाण्डेय, डा. सुशील सागर, डा. आर.जी. सिंह आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

तीन दिवसीय सांस्कृतिक लोक उत्सव शुरू: कलाकारों ने दिया जीवन्त प्रस्तुति

सांस्कृतिक लोक उत्सव

-दिव्यांगों, जरूरतमंदों में किया कम्बल का वितरण

-सरकार लोक कला के विकास के लिये समर्पित- विवेकानन्द मिश्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती ।आरोही चेरिटेवल ट्रस्ट द्वारा बनकटी विकास खण्ड क्षेत्र पं. पशुपतिनाथ इण्टर कालेज बखरिया में तीन दिवसीय सांस्कृतिक लोक उत्सव का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष विवेकानन्द ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुये कहा कि धार्मिक, सांस्कृतिक सरोकारों को मजबूत करने की दिशा में सरकार अनेक पहल कर रही है। सांस्कृतिक मंत्रालय द्वारा आयोजित यह सांस्कृतिक लोक उत्सव निश्चित रूप में हमारी गुम होती लोक संस्कृति को नया आयाम देगा। कहा कि आरोही चेरिटेवल ट्रस्ट लोक कला के क्षेत्र में जो कार्य कर रहा है वह सराहनीय है।

सांस्कृतिक लोक उत्सव के तीन दिवसीय आयोजन में नौटंकी, बिरहा, चैती, कजरी, कथक, मयूर नृत्यु, भजन, गजल, सुगम संगीत और स्थानीय लोक गीतों की सशक्त प्रस्तुति देकर कलाकारों ने मन मोह लिया। लोक कलाकार जंगीनाथ यादव, अमरेश पाण्डेय, निरमा कन्नौजिया, श्रीराम यादव, वीरेन्द्र साहनी, सुखई यादव, ओम प्रकाश यादव, संदीप कन्नौजिया, काजल, सुमन, सुनीता, प्रमिला, अंजली, ललिता, अवन्तिका, मधु, शालू, नीलम, कविता, सुशीला, प्रीती, हेमा आदि ने उद्घाटन अवसर पर लोक कला के विविध रूपों को मंच पर जीवन्त किया।

आरोही चेरिटेवल ट्रस्ट अध्यक्ष भानु प्रकाश मिश्र ने अतिथियों, कलाकारो और बड़ी संख्या में उपस्थित दर्शकों का स्वागत करते हुये कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य अपनी लोक कला, संस्कृति को जीवन्त रखना है जिसे लोग भूलते जा रहे हैं। इस मौके पर संस्था द्वारा जरूरतमंदों , दिव्यांगों में कम्बल का वितरण किया।

उद्घाटन अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मुख्य रूप से बाल मुकुन्द मिश्र, पवन कुमार, मनोज श्रीवास्तव, वेद प्रकाश, सुनील धर, कृष्णचन्द्र, हरेन्द्र पाण्डेय, शिवाजी, अतुल उपाध्याय, लवकुश, प्रीती त्रिपाठी, शिवम शुक्ल, गीता देवी, भोलू, दुर्गेश, धर्मेन्द्र जायसवाल के साथ ही बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 21 जनवरी 2025 मंगलवार

सम्पादकीय

बढते सड़क हादसे

यह शर्मनाक ही है कि भारत में दुनिया की सबसे ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। इन दुर्घटनाओं में अन्य कारणों के अलावा सबसे अधिक भूमिका तकनीकी व गुणवत्ता की खामियों वाली सड़कों की होती है। यह भयावह है कि वर्ष 2023 में देश में हुई पांच लाख दुर्घटनाओं में करीब पौने दो लाख लोगों की मौत हुई। उस पर सबसे दुखद यह है कि मरने वालों में एक लाख चौदह हजार लोग अट्ठारह से 45 वर्ष के बीच के युवा थे। जो परिवार के कमाने वाले व नई उम्मीद थे। इन हालात को देखते हुए ही केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय ने वर्ष 2030 तक इन सड़क दुर्घटनाओं को आधा करने का लक्ष्य रखा है। यह विडंबना ही है कि दुर्घटनाएं रोकने के लिये सख्त कानून बनाने एवं तकनीक के जरिये चालकों की लापरवाही पर नजर रखने जैसे उपायों के बावजूद आशातीत परिणाम सामने नहीं आए हैं। ऐसे में केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के बेबाक सुझाव से सहमत हुआ जा सकता है कि खराब सड़क निर्माण को गैर–जमानती अपराध बना दिया जाना चाहिए। इसके लिये ठेकेदार और इंजीनियर की जवाबदेही तय होनी चाहिए। हाल ही में भारतीय उद्योग परिसंघ के एक कार्यक्रम में उन्होंने दुरूख जताया कि विदेशों में होने वाले कार्यक्रमों में जब भारत में विश्व की सर्वाधिक सड़क दुर्घटना वाले देश के रूप में चर्चा होती है, तो उन्हें शर्म महसूस होती है। आखिर तमाम प्रयासों के बावजूद सड़क हादसे क्यों नहीं थम रहे हैं।

यह बात तय है कि अगले पांच सालों में सड़क दुर्घटनाओं को यदि आधा करना है, तो युद्ध स्तर पर प्रयास करने होंगे। उन कारणों को तलाशना होगा, जिनकी वजह से हर साल सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि होती है। आखिर क्या वजह है कि राजमार्गों के विस्तार और तेज गति के अनुकूल सड़कें बनने के बावजूद हादसे बढ़े हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि राजमार्गों व विभिन्न तीव्र गति वाली सड़कों में साम्य का अभाव है, वहीं मोड़ों को दुर्घटना मुक्त बनाने हेतु तकनीक में बदलाव की जरूरत है। ऐसे में केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय को उन कारणों की पड़ताल करनी होगी, जो पर्याप्त धन आवंटन के बावजूद सड़कों को दुर्घटनामुक्त बनाने में बाधक हैं। ऐसे में जरूरी है कि सड़कों की निर्माण सामग्री और डिजाइनों की निगरानी के लिये स्वतंत्र व सशक्त तंत्र बनाया जाए, जो बिना किसी राजनीतिक हस्तक्षेप के काम कर सके। साथ ही मंत्रालय का दायित्व बनता है कि इस बाबत स्पष्ट नीति को सख्ती से लागू किया जाए। यह जानते हुए कि सड़कों के ठेके में मोटे मुनाफे के लिए एक समांतर भ्रष्ट तंत्र देश में विकसित हुआ है, जो निर्माण कार्य की गुणवत्ता से समझौता करने से परहेज नहीं करता। जिसके खिलाफ उठने वाली ईमानदार आवाजें दबा दी जाती हैं। निस्संदेह, गुणवत्ता का मूल्यांकन करने वाली व्यवस्था की जवाबदेही तय करने की सख्त जरूरत है। तब हमें यह सुनने को नहीं मिलेगा कि उद्घाटन के कुछ ही बाद ही सड़क उखड़ गई या बारिश में घुल गई।

स्टार्टअप इंडिया

स्टार्टअप इंडिया पहल ने नौ वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस दौरान देश में 1.59 लाख स्टार्टअप को मान्यता मिली है, जिनसे 16.6 लाख नौकरियां पैदा हुईं हैं। उम्मीद है भारत का समृद्ध वर्ग वर्ष 2027 तक 100 मिलियन तक पहुंच जाएगा, जिससे स्टार्टअप के लिए पर्याप्त अवसर उपलब्ध होंगे। जो भारत की आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था और समाज पर इसके प्रभाव को प्रकाशित करते हैं। कहा जाता रहा है कि स्टार्टअप शहर–केंद्रित व्यवसाय मॉडल पर ध्यान केंद्रित हैं तथा ग्रामीण भारत की विशाल संभावनाओं की उपेक्षा करते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम में कहा कि स्टार्टअप इंडिया केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं है। आधे से अधिक स्टार्टअप दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों से संचालित हो रहे हैं। महत्वपूर्ण है कि अपशिष्ट प्रबंधन, गैर–नवीकरणीय ऊर्जा, जैव प्रौद्योगिकी और लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में बड़ी संख्या में स्टार्टअप सामने आए हैं। छोटे शहरों के स्टार्ट–अप में आधे से ज्यादा का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं। वास्तव में किसी भी विचार को सफल बनाने के लिए जुनून सबसे जरूरी होता है और निष्ठा तथा उत्साह से नवाचार, सृजनात्मकता और सफलता का रास्ता अवश्य निकलता है।

इसी के चलते युवाओं की जबरदस्त सहभागिता के चलते स्टार्टअप इंडिया पहल ने उल्लेखनीय मील के पत्थर हासिल किए हैं और छोटे शहरों ने देश की उद्यमशीलता की गति में तेजी से योगदान दिया है। भारत के स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को वित्तपोषण में भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है, जो वैश्विक स्तर पर सतर्क निवेश प्रथाओं की ओर बदलाव को दर्शाता है। निवेशकों में जोखिम लेने की क्षमता कम होने के कारण वे विकास की तुलना में लाभप्रदता को प्राथमिकता दे रहे हैं, जिससे स्टार्टअप्स को विस्तार के लिए बाह्य पूंजी पर निर्भर रहना पड़ रहा है।

डिजिटल उपकरणों के प्रसार के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्टअप्स को असंगत बुनियादी अवसंरचना के कारण बाधा आ रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में हाई–स्पीड इंटरनेट की अनुपस्थिति अप्रयुक्त बाजारों तक पहुंच को सीमित करती है, जिससे कृषि प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों का विकास धीमा हो जाता है। साथ ही स्थानीय संरक्षणवादी नीतियां, जैसे अनिवार्य डेटा स्थानीयकरण, वैश्विक स्केलेबिलिटी का लक्ष्य रखने वाले स्टार्टअप्स के लिए अनुपालन संबंधी बाधाएं उत्पन्न करती हैं। जैसे कि भारतीय स्टार्टअप कंपनियां अनुपालन लागतों से जूझ रही हैं, वहीं अमेजन जैसी वैश्विक प्रतिस्पर्द्धियों ने भारत में आक्रामक बाजार विस्तार जारी रखा। कुल मिलाकर भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम को वैश्विक मान्यता प्राप्त हो गई है, फिर भी फंडिंग की कमी, विनियामक बाधाएं और सीमित नवाचार जैसी चुनौतियां बनी हुई हैं।

रोजगार सृजन और महंगाई पर नियंत्रण की चुनौती

–सुरेश सेठ–

देश को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने का सपना देखा गया है, लेकिन वर्तमान में अमीर–गरीब के बीच बढ़ती असमानता और मंदी के संकेत इसे चुनौतीपूर्ण बना रहे हैं। आर्थिक विकास की गति मंदी की ओर अग्रसर है, जबकि निवेश और रोजगार सृजन में कमी देखी जा रही है।

आजादी के बाद, संविधान द्वारा यह घोषणा की गई थी कि हम प्रजातांत्रिक तरीके से समाजवाद की स्थापना करेंगे, यानी अमीर–गरीब के भेद को मिटाएंगे। हालांकि, संविधान को अंगीकार करने के पौन सदी बाद भी यह भेद जस का तस बना हुआ है। देश में प्रगति तो हो रही है, लेकिन वह चंद धनकुबेरों की संपत्ति बनकर रह गई है। आज भी 10 प्रतिशत लोग देश की 90 प्रतिशत संपत्ति पर हावी हैं, जबकि 90 प्रतिशत लोग 10 प्रतिशत संपत्ति से अपना जीवन यापन कर रहे हैं।

वर्ष 2047 तक देश को पूरी तरह से विकसित बनाने का लक्ष्य रखा है और यह सपना देखा है कि भारत विश्व गुरु बनेगा। वर्तमान सरकार के 11 वर्षों में हमने देश को दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बना दिया है और अगले वर्षों में तीसरी महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर हैं। हालांकि, यह सपना है, पर क्या वास्तविकता में अमीर–गरीब का भेद मिट पाया है? क्या मेहनत करने वालों को रोजगार मिला है? और क्या वजह है कि हर संकट में गरीब और भी अधिक परेशान होता है, जबकि अमीर और भी समृद्ध हो जाते हैं। नए आंकड़े बताते हैं कि एशिया में सबसे अधिक खरबपति भारत में हैं।

भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने का सपना बहुत आकर्षक है, लेकिन इसके लिए जीडीपी विकास दर 8–9 प्रतिशत के बीच रहनी चाहिए। हालांकि, 2024–25 के आर्थिक वर्ष की आखिरी तिमाही में जीडीपी विकास दर पिछले चार सालों में सबसे कम रही, जो 5.4 प्रतिशत तक गिर गई। इसका कारण महंगाई, शहरी मांग में कमी, महंगी वस्तुएं और घटती उपभोक्ता शक्ति बताई जा रही है। इसके अतिरिक्त, पूंजी निवेश में कमी और उत्पादकता में अवरोध भी आर्थिक मंदी के कारण बने। वर्ष 2023–24 में भारत ने 8.2 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि हासिल की थी, जो दर्शाता है कि यदि सही नीतियां अपनाई जाएं, तो आर्थिक वृद्धि संभव है।

आगामी बजट में वित्तमंत्री को इस मंदी का ध्यान रखते हुए ऐसे कदम उठाने होंगे जो निवेश को प्रोत्साहित करें, उत्पादकता बढ़ाएं, और रोजगार के अवसर सृजित करें। इसके परिणामस्वरूप मांग में वृद्धि होगी और बाजारों में निरुत्साह की स्थिति को रोका जा सकेगा। कृषि, जो देश का प्रमुख क्षेत्र है और जिसमें 62 प्रतिशत श्रम लगा है, अब उसके जीडीपी योगदान में गिरावट आ रही है।

कोविड महामारी के प्रभाव से शहरी औद्योगिक और उत्पादक क्षेत्रों से श्रम बल वापस ग्रामीण इलाकों में लौट आया है, और अब वे शहरों में काम करने के लिए तैयार नहीं हैं। आंकड़ों के अनुसार, 16 प्रतिशत श्रम बल कृषि से अन्य क्षेत्रों में गया था, लेकिन पिछले दस वर्षों में 19 प्रतिशत श्रम बल खेती में लौट आया है, जबकि खेती की उत्पादकता अन्य क्षेत्रों से कम है। सेवा क्षेत्र और पर्यटन ने जीडीपी में बड़ा योगदान दिया है, लेकिन रोजगार की संभावना सीमित है। सरकार के मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया और उत्पादन लिंक्ड इंसेंटिव योजनाओं के बावजूद पूंजी निर्माण की कमी के कारण ये योजनाएं सफल नहीं हो पाई। शहरी उपभोग में गिरावट के साथ ग्रामीण उपभोग में वृद्धि हुई है।

सरकार ने सहकारी क्षेत्र को विकसित करने का प्रस्ताव रखा है, लेकिन इसके लिए इन उद्योगों को गांवों, कस्बों या छोटे शहरों में स्थापित करना आवश्यक है। शहरी महंगाई से गरीब वर्ग का सामना कठिन हो रहा है, जबकि गांवों में खेती का कुटीर उद्योग कुछ सहारा दे सकते हैं। महंगाई का असर गांवों और शहरों दोनों पर है। एक और बड़ी चुनौती यह है कि युवा पीढ़ी को रोजगार की गारंटी नहीं मिल पा रही, खासकर सरकार द्वारा महंगाई नियंत्रण के लिए लागू की गई सख्त साख नीति के कारण। उच्च ब्याज दरों और रैपो रेट में कोई कमी न आने से यह स्थिति और भी जटिल हो गई है।

आगामी माह में रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति में ब्याज दरों या रैपो रेट में कटौती की आवश्यकता होगी, ताकि खेती से लेकर निवेश तक को प्रोत्साहन मिल सके और रोजगार सृजन हो सके। वर्तमान में कृषि, होटल और सम्पत्ति क्षेत्र को छोड़कर अधिकांश क्षेत्रों में विकास दर घट गई है, जैसे निर्माण, खनन, विद्युत, गैस, और व्यापार। इसका कारण निवेश और पूंजी निर्माण की कमी है, जो ब्याज दरों में कटौती से पूरी हो सकती है। हालांकि, ब्याज दरों में कमी महंगाई को बढ़ा सकती है, इसलिए आर्थिक संतुलन बनाए रखना जरूरी है।–लेखक साहित्यकार हैं।

इतिहास बन गये पुराने सिनेमाघर

–हेमंत पाल–

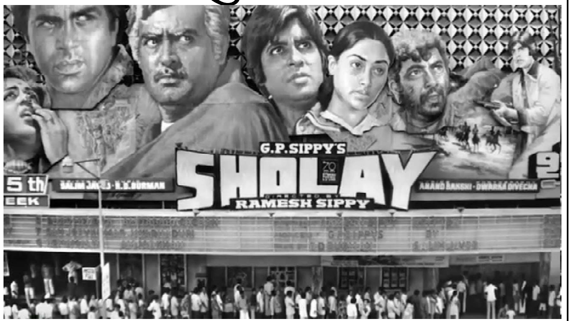

मनोरंजन का असली आनंद उन दर्शकों ने कुछ ज्यादा ही उठाया, जिन्होंने 70 और 80 का दौर देखा है। तब पहले दिन–पहला शो देखने का जो जुनून था आज उसकी कल्पना भी नहीं कर सकते। शो से दो घंटे पहले टिकट खिड़की पर लाइन लगना, धक्का–मुक्की से टिकट हाथ में आना, हॉल में घुसने की जंग, सीट नम्बर नहीं हों तो सीट का जुगाड़। लेकिन आज ऐसा कुछ नहीं होता। मल्टीप्लेक्स ने संभ्रांत दर्शकों और सुविधाजनक मनोरंजन की आदत डाल दी। अब न तो हॉल में सीटियां सुनाई देती हैं और न दर्शकों के कमेंट।

बदलते समय के साथ बहुत कुछ बदला। जीने का अंदाज, नई जरूरतें, सुविधाएं और यहां तक कि मनोरंजन का तरीका भी नए जमाने के साथ बदल गया। याद कीजिए दो–तीन दशक पहले फिल्म देखने का आनंद कैसा था। तब आज की तरह घर बैठे टिकट बुक नहीं होते थे और न सीटें आरामदायक थीं। उस समय सिनेमाघर की टिकट खिड़की में हाथ घुसाकर मुट्ठी में टिकट थामकर मसले हुए टिकट ऐसे लगते थे जैसे जंग जीतने का प्रमाण पत्र मिल गया हो। उसके बाद हॉल में तीन घंटे तक फिल्म के साथ–साथ कई तरह के मनोरंजन की बात ही अलग थी। आज वो सिर्फ याद बनकर रह गया। अब न वैसे सिनेमाघर बचे, न दर्शक। सिंगल स्क्रीन तो करीब–करीब खत्म ही हो गए। उनकी जगह ब्रांडेड मल्टीप्लेक्स ने ले ली। पहले 3 रुपए 20 पैसे में दर्शक बॉलकनी में अकड़कर बैठता था, आज वही टिकट 500 से शुरू होकर एक हजार रुपए से ज्यादा में मिलता है। उसमें भी सुविधा के मुताबिक पैसे लिए जाते हैं। यानी दर्शकों का फिल्म देखने का अंदाज ही नहीं बदला, सुविधाएं भी जेब पर असर डालने लगी।

फिल्में बनना, उनका रिलीज होना और फिर थिएटर में जाकर दर्शकों का उन्हें एंजॉय करना, मनोरंजन की दुनिया में ये सब रोज होता आया है। इसके पीछे मकसद होता है– दर्शकों को अपनी फिल्म तक खींचना और उसके जरिये कमाई करना। आज करीब हर शहर में मल्टीप्लेक्स थियेटर हैं, जहां दर्शक आरामदायक सीटें, बेहतर साउंड क्वालिटी के साथ फिल्म एंजॉय करते हैं। लेकिन, पीछे मुड़कर देखा जाए, तो एक दौर वह भी था, जब सिर्फ सिंगल स्क्रीन सिनेमाघर हुआ करते थे। फिर भी इनका अलग ही क्रेज था। दर्शकों को थियेटर की सुविधाओं से कोई वास्ता नहीं था। बस बैठने को सीट हो और सामने परदे पर जब फिल्म दिखाई दे तो कोई अड़चन न आए। पुराने समय में फिल्में बनाना भी कम बड़ी चुनौती नहीं थी। क्योंकि, उस काल में फिल्म बनाने की तकनीक आज की तरह विकसित नहीं थी। फिल्म पूरी होने के बाद हर निर्माता–निर्देशक की उम्मीद होती है कि उसे बेहतर ढंग से रिलीज किया जा सके। पहले उनकी इस उम्मीद को सिंगल स्क्रीन पूरा करते थे, आज वही भूमिका मल्टीप्लेक्स निभाते हैं।

अब फिल्म का अर्थशास्त्र भी बदल गया। पहले सिल्वर और गोल्डन जुबली यानी 25 और 50 हफ्ते चलने वाली फिल्म ही सुपर हिट कहलाती थी। आज तो पहले शो से अंदाजा लगा लिया जाता है। दो या तीन हफ्ते चलने वाली फिल्म भी हिट हो जाती है। इसलिए कि अब फिल्म कमाई सिर्फ दर्शकों के टिकट की खरीद पर ही निर्भर नहीं रह गई। फिल्मकारों ने इस कारोबार में ऐसे कई नए विकल्प खोज लिए, जो उनकी कमाई के नए रास्ते खोलते हैं। फिल्मों के डिजिटल, सैटेलाइट और म्यूजिक राइट्स बेचकर भी फिल्म निर्माता पैसे कमाता है। फिल्मों के रीमेक, प्रीक्वल, सीक्वल, और डबिंग राइट्स बेचकर भी कमाई की जाती है। इसके अलावा ओवरसीज राइट्स से भी पैसा कमाया जाता है। इसके बाद फिल्म के प्रदर्शन पर निर्भर है कि कितना मुनाफा होगा।

कई निर्माता विदेश में शूटिंग करके मिलने वाली छूट से भी कमाई करते हैं। जैसे लंदन में शूटिंग करके। इसके बाद आता है बॉक्स ऑफिस। लेकिन, यह सब फिल्म के प्रदर्शन पर निर्भर होता है। यदि फिल्म दर्शकों की पसंद पर खरी उतरी तो सारे राइट्स से कमाकर देते हैं। यदि ऐसा नहीं हुआ तो सारे राइट्स का कोई मतलब नहीं रह जाता। इस नए ट्रेंड से निर्माता को ये फायदा हुआ कि भले ही उसकी फिल्म नहीं चले पर प्रोडक्शन कॉस्ट तो निकल ही आती है। याद करें राज कपूर की फिल्म 'मेरा नाम जोकर' को। इस फिल्म की असफलता ने उन्हें करीब–करीब बर्बाद कर दिया था। जबकि, आज यह स्थिति किसी निर्माता के सामने होती, तो हालात इतने बुरे नहीं होते।

बड़े परदे पर फिल्में देखने की शुरुआत सिंगल स्क्रीन सिनेमाघरों से ही हुई। सिंगल स्क्रीन उन्हें कहा जाता है, जहां एक स्क्रीन हो और उस पर रोज फिल्म के 4 शो दिखाए जाते हैं। कुछ ऐसे थिएटर आज भी बड़े शहरों में मिल जाते हैं। लेकिन आज के दौर में सिंगल के बजाय मल्टीप्लेक्स का क्रेज बढ़ गया। मल्टीप्लेक्स ऐसे सिनेमाघर होते है, जहां एक से ज्यादा स्क्रीन हों। कई अलग–अलग फिल्में एक साथ चलती हैं। आज मल्टीप्लेक्स का चलन बहुत ज्यादा बढ़ गया। इनकी बनावट और सीट का दायरा भी अलग रहता है। जहां सिंगल स्क्रीन सिनेमाघर में फर्स्ट क्लास और बालकनी के दो सीटिंग फॉर्मेट होते हैं। वहीं, मल्टीप्लेक्स में सीटिंग फॉर्मेट प्लैटिनम, गोल्ड और सिल्वर कैटेगरी के हिसाब से बंटा होता है।

मुंबई में 1947 में लिबर्टी सिनेमाघर बना था। इस सिनेमा हॉल को हबीब हुसैन ने बनाया था और इसका आर्किटेक्चर फरांस से प्रभावित रहा। यह आजादी का साल था, इसलिए इसका नाम 'लिबर्टी' रखा गया। ये अपने आप में कुछ खास सिनेमाघर रहा जहां फिल्म का प्रदर्शन भी खास हुआ करता है। यहां 1960 में फिल्म 'मुगल ए आजम' का प्रीमियर हुआ व 'मदर इंडिया' 25 अक्तूबर 1957 को रिलीज हुई थी। यह फिल्म पूरे साल यहां लगी रही, जो उस दौर का रिकॉर्ड था। इसके बाद 1994 में सलमान खान और माधुरी दीक्षित की फिल्म 'हम आपके हैं कौन' इस सिनेमाघर में 105 दिनों तक चली थी। राज कपूर भी इस सिनेमाघर के मुरीद रहे। उनकी कई बड़ी फिल्में यहां रिलीज हुई, उनमें 'राम तेरी गंगा मैली' भी थी। प्रेस प्रीव्यू और प्राइवेट स्क्रीनिंग के लिए पांचवीं मंजिल पर 30 सीट का 'लिबर्टी मिनी' भी बनाया गया था।

मध्य प्रदेश के बड़े शहर इंदौर में 20 साल पहले तक 30 से ज्यादा सिंगल स्क्रीन टॉकीज थे। लेकिन, अब वो स्थिति नहीं रही। अब यहां देश के सभी बड़े ब्रांड वाले मल्टीप्लेक्स के साथ ओपन एयर ड्राइव इन थिएटर भी है। इस बीच इंदौर के एक व्यवसायी ने सिंगल स्क्रीन सिनेमा की यादों को धरोहर के रूप में संजो लिया। यह देश का अकेला सिंगल स्क्रीन म्यूजियम है। इसमें इंदौर के 30 से ज्यादा टॉकीज से जुड़े फोटो, टिकट, स्लाइड, प्रोजेक्टर, पोस्टर्स सहित कई चीजें रखी गई हैं। साल 1917 से लेकर 2000 के दशक तक का कलेक्शन है। उद्यमी विनोद जोशी को सिनेमा से जुड़ी यादें सहेजने का शौक 1983 से था जिसे 2015 में उन्होंने इस तरह पूरा किया। उन्होंने अपने म्यूजियम की टिकट दर भी इतनी ही रखी है, जितनी उस दौर में सिनेमा की टिकट (1 रुपए 60 पैसे) थी। उनके कलेक्शन में किस साल, किस महीने में, किस टॉकीज में कौन सी पिक्चर चली, उसके विज्ञापन, पोस्टर कैसे होते थे–वह सब शामिल है। यह भी कि प्रोजेक्टर से परदे पर फिल्म कैसे दिखाई जाती थी। नई फिल्मों के ट्रेलर की स्लाइड भी दिखाते हैं। उन्होंने इंदौर के पुराने श्रीकृष्ण टॉकीज का भी मॉडल बनवाया। ऐसे ही अन्य टॉकीजों के भी मॉडल हैं।

राजनीतिक वायदों के सिलसिले

– कमलेश पाण्डेय–

राजनीतिक दलों के द्वारा चुनावों के समय मतदाताओं के लिए एक से बढ़कर एक शफ्रीबीजश की जो बौछारें हो रही हैं, वह वोटर्स को शरिश्वतश नहीं तो और क्या है, इसे समझना जरूरी है! वहीं, जिन राजनीतिक दलों ने अपने चुनावी वायदों के अनुपालन में कोताही बरती, उनके खिलाफ क्या कार्रवाई होनी चाहिए, यह भी स्पष्ट नहीं है! इसलिए वायदे करो और फिर मुकर जाओ या फिर आधे–अधूरे पूरे करो, कोई पूछने वाला नहीं है! तभी तो राजनीतिक दलों की बल्ले–बल्ले है। चूंकि दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 का शोर मचा हुआ है, इसलिए इस फ्रीबीज की चर्चा पुनः आवश्यक है, ताकि मतदाता जागरूक हो सकें।

कहने को तो दिल्ली को छोटा हिन्दुस्तान और दिल वालों का शहर कहा जाता है, लेकिन पिछले 10–12 वर्षों में यहां जितनी राजनीतिक दिलग्गी हुई, वह बात किसी से छुपी हुई नहीं है। चाहे केंद्र में सत्तारूढ़ बीजेपी और एनडीए हो या फिर राज्य में सत्तारूढ़ आप और इंडिया गठबंधन, जिससे कभी आप जुड़ती है तो कभी शतलाकश ले लेती है! और देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस जो अपने नेतृत्व वाले गठबंधन या फिर अपने द्वारा समर्थित गठबंधन का अपनी सुविधा के अनुसार शगला मरोड़नेश में माहिर समझी जाती है, ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में राजनीतिक किंतु–परन्तु की सारी हदें पार कर चुकी हैं।

चूंकि इन राजनीतिक दलों ने खुद के लिए कोई आदर्श राजनीतिक नियम और उसके निमित्त बाध्यकारी कानून नहीं बनाकर रखे हैं, या फिर नाममात्र का बनाए हुए हैं, जिसकी व्याख्या ये लोग अपने मनमुताबिक कर लेते हैं, इसलिए इनकी सारी राजनीतिक हरकतें जायज समझी जाती हैं। वहीं, इनको तोहफा या सजा बस जीत–हार के माध्यम से जनता जनार्दन ही देती आई है। यहां भी वह मतदाता दलित–महादलित, पिछड़ा–अत्यंत पिछड़ा, सवर्ण–गरीब सवर्ण, आदिवासी–अल्पसंख्यक, महिला–पुरूष, युवा–बुजुर्ग, किसान–मजदूर, कामगार या पूंजीपति आदि इतने खानों में विभाजित है कि उनकी फूट डालो और शासन करो की नीति अक्सर सफल होती आई है।

शायद इसलिए जनता, सरकार और सुशासन के मुद्दे गौण पड़ जाते हैं और फ्रीबीज की चर्चा घर–घर पहुंचकर चुनावी खेल कर देती है। ऐसे में सुलगता हुआ सवाल है कि सुशासन से लेकर रोजगार के मोर्चे पर विफल हो चुकीं जनतांत्रिक सरकारों के द्वारा जिस तरह से फ्रीबीज की घोषणाएं की जा रही हैं, क्या यह देश की आर्थिक व्यवस्था यानी अर्थव्यवस्था के लिहाज से उचित है या फिर अनुचित है? यदि अनुचित है तो इससे बचने का रास्ता क्या है? देखा जाए तो कबीलाई युग से लोकतांत्रिक सरकार तक मनुष्य की पहली जरूरत शांति और सुरक्षा है, ताकि वह मेहनत करते हुए अपना जीवन निर्वाह कर सके और इस देश–दुनिया को बेहतर बनाने में अपने हिस्से का योगदान दे सके। हालांकि, ऐसे सुशासन की गारंटी न तो तब मिली थी और न अब मिली हुई है। शासक–प्रशासक बेहतर हो तो क्षणिक सुख–शांति संभव है, अन्यथा जलालत ही मानवीय सच है।

याद दिला दें कि एक जमाने में जो राजनीतिक दल शिक्षा और स्वास्थ्य के बजट में कटौती दर कटौती करते चले गए कि राजकोषीय घाटा को पाटना है! और अब उन्हीं के द्वारा जब फ्रीबीज की वकालत हो रही है तो इस सियासी तिकड़म को समझना भी दिलचस्प है। चाहे संसदीय चुनाव हो या विधान मंडलीय चुनाव, या फिर स्थानीय चुनाव, होने तो 5 साल में ही हैं। इसलिए जैसे तैसे चुनावी वायदे करके सरकार बना लो, इसी घुड़दौड़ में सभी राजनीतिक दल जूटे हुए हैं।

अब लोगों की दिलचस्पी न तो आजादी के तराने सुनने में है, न ही हिंदुत्व की माला जपने में। समाजवाद से लेकर वामपंथ तक अपने ही राजनीतिक हमाम में नंगे हो चुके हैं। ऐसे में कांग्रेस विरोधी शसम्पूर्ण क्रांतिश की सफलता–विफलता के लगभग चार दशक बाद हुई दूसरी कांग्रेस विरोधी शअन्ना हजारे क्रांतिश की सफलता से उपजी आम आदमी पार्टी ने जो फ्रीबीज की सियासी लत लगाई और दिल्ली से पंजाब तक कांग्रेस–भाजपा का सफाया कर दी, उससे दोनों पार्टियों ने शुरुआती आलोचनाओं के बाद आप के सियासी एजेंडे को ही अपनाने में सफलता पाई।

तमोलिनपुरवा में फिर आ धमका तेंदुआ, कुत्ते को बनाया निवाला

संवाददाता–बहराइच। कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के ककरहा वन रेंज में बालिका की मौत के बाद एक तेदुआ पकड़ा गया था। इसके बाद भी हमले नहीं थमे हैं। शनिवार की रात तेंदुए ने एक पालतू कुत्ते को निवाला बनाया। इसके बाद से गांव में फिर से दहशत बढ़ गई है। ग्रामीण गांव के आसपास छह से अधिक तेंदुओं के मौजूद होने का दावा कर रहे हैं। ककरहा रेंज के तमोलिनपुरवा में बुधवार शाम खेत में साग तोड़ते समय शालिनी (8) पर तेंदुए ने हमला कर दिया था। इसमें बालिका की मौत हो गई थी। इसके बाद वन विभाग ने पिंजरा लगाया था, जिसमें शनिवार की सुबह लगभग सात बजे एक नर तेंदुआ कैद हुआ था। तेंदुए के पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली थी, लेकिन शनिवार रात गांव के पास फिर तेंदुए ने दस्तक दी और एक पालतू कुत्ते को दबोच ले गया। इसके बाद से गांव में दहशत बढ़ गई है। ग्रामीणों ने बताया कि तीन से चार तेंदुए गांव के आसपास गन्ने के खेतों में देखे गए हैं। इससे कभी भी हमला होने की आशंका है। ग्रामीणों ने बताया कि बच्चों को शाम के समय घर से बाहर नहीं निकलने दिया जा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि वन विभाग को सूचना देने के बाद भी न तो गश्ती हो रही है ओर न ही पिंजरा लगाया गया है। इससे पूरे गांव में आक्रोश है। ठोस कदम नहीं उठाया गया तो तेंदुआ यहां भी हमला कर सकता है।

कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग में बाघों की संख्या तेजी से बढ़ी है। इससे वन्यजीव प्रेमियों में खुशी की लहर है। पूर्व में हुई गणना में जहां कतर्नियाघाट में 59 बाघ थे तो वहीं एक बाघ को अभी हाल में यहां छोड़ा गया है। बीते कुछ वर्षों से बाघ की गणना न होने से वन्यजीव प्रेमी बाघों की संख्या बढ़कर 80 के पार होने की संभावना जता रहे हैं। लेकिन बाघों की बढ़ती संख्या के साथ ही बाघ के हमले भी बीते कुछ दिनों में तेज हुए हैं। इससे जंगल से सटे गांवों में दहशत का माहौल है। हमले का आलम यह है कि मात्र तीन माह के भीतर ही बाघ तीन लोगों को अपना शिकार बना चुक हैं। जबकि दो सालों के भीतर सात लोगों की मौत बाघ के हमले में हुई है।

तुरैहा समाज ने प्रदर्शन कर मांगा अनुसूचित जाति का प्रमाण पत्र, दी चेतावनी

संवाददाता–देवरिया। जाति प्रमाण पत्र जारी करने के लिए तुरैहा समाज के लोगों ने सोमवार को तहसील परिसर में प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से इन्होंने तुरैहा जाति का अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र जारी करने की मांग की। मांगे पूरी न होने की दशा में आंदोलन की चेतावनी दी है। सोमवार को जिलाध्यक्ष प्रेम कुमार तुरैहा के नेतृत्व में करीब दो सौ की संख्या में महिला–पुरुष हाथ में बैनर पोस्टर लेकर तहसील मुख्यालय पहुंचे। वहां जोरदार प्रदर्शन कर तहसील प्रशासन से अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र जारी करने की मांग की गई। ज्ञापन में उन्होंने बताया है कि तहसील क्षेत्र में तुरैहा समुदाय बड़ी संख्या में निवास करता है तथा पूर्व में इनका अनुसूचित जाति का जाति प्रमाण पत्र जारी होता रहा है, लेकिन इधर कुछ वर्षो से तहसील प्रशासन द्वारा तुरैहा जाति को पिछड़ी जाति बता कर जाति प्रमाण पत्र निर्गत नहीं किया जा रहा है। तुरैहा समुदाय के लोगों ने जाति प्रमाण पत्र जारी करने की मांग की है। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष धीरेंद्र तुरैहा, सुग्रीव कुमार, नेबुलाल प्रसाद, सुनील तुरैहा, भैरव तुरैहा, बलिस्टर, लालबिहारी, सागर, विजय आदि मौजूद रहे।

सड़क हादसे में घायल युवक की अस्पताल में मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। भिनगा लक्ष्मनपुर मार्ग पर रविवार शाम को अनियंत्रित बाइक पेड़ से टकरा गई थी। हादसे में दो युवक घायल हुए थे जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में इलाज के दौरान एक की मौत हो गई। कोतवाली भिनगा क्षेत्र के लबेदपुर निवासी सुभाष (28) पुत्र राम अवध व इसी गांव निवासी सुरजीत (28) पुत्र त्रिलोकी प्रसाद रविवार को एक ही बाइक से लक्ष्मनपुर बाजार किसी काम से गए थे। शाम को दोनों वापस अपने घर जा रहे थे। इस दौरान भिनगा लक्ष्मनपुर मार्ग पर रेहली वन चौकी के पास पहुंचते ही बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे पेड़ से टकरा गई। हादसे में दोनों गंभीररूप से घायल हो गए। सूचना पुलिस को दी गई। लोगों की सूचना पर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से दोनों घायलों को जिला अस्पताल भिनगा में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान घायल सुभाष की मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे परिजनों में शव देखते ही कोहराम मच गया।

बंदरों के दौड़ाने से छत से गिरी महिला की मौत घर से लेकर दफ्तरों तक छाया है आतंक

संवाददाता–गोण्डा। अयोध्या से सटे होने के चलते जिले में बंदरों का आतंक बढ़ गया है। बंदरों के दौड़ाने से छत से गिरीं नवाबगंज के खड़ौआ के लोनियन पुरवा निवासी पदमा देवी (50) की रविवार की शाम को मौत हो गई। सोमवार को परिजनों ने बिना पुलिस को सूचना दिए अयोध्या में शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

थाना क्षेत्र के लोनियन पुरवा निवासी राघवराम चौहान की पत्नी पदमा देवी रविवार की शाम छत पर फैलाए गए चावल को उठाने गईं थी तभी बंदरों का झुंड छत पर पहुंच गया। बंदरों ने चावल छीनने के लिए उन पर छलांग लगा दी। इसके बाद वह नीचे उतरने लगी तभी नियंत्रण खोने से वह सीढ़ियों से फिसल गईं। करीब 10 फीट नीचे गिरने से वहीं पर उनकी मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक, ईंट से टकराने से उनके सिर पर गंभीर चोटें आईं थीं। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि चिंतामणि तिवारी ने बताया कि सोमवार सुबह पदमा देवी का अयोध्या में अंतिम संस्कार कर दिया। परिजनों ने पुलिस को घटना की जानकारी नहीं दी। प्रभारी निरीक्षक निर्भय नारायण सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी नहीं है। बंदरों का डर रिहायशी इलाकों तक है। सोमवार को नवाबगंज थाने परिसर में सैकड़ों की संख्या में बंदर डेरा जमाए रहे। हालांकि, प्रभारी निरीक्षक ने वन विभाग से संपर्क कर बंदरों को पकड़वाने के दावे किए हैं। इसके साथ ही कलेक्ट्रेट में कोषागार के आसपास बंदर लोगों के लिए परेशानी का कारण बने हुए हैं। फाइल सुरक्षित रखना भी चुनौती रही है। मुख्य कोषाधिकारी श्याम लाल जायसवाल ने बताया कि बंदरों को भगाने के लिए लंगूर के फोटो लगाए गए हैं। उनका कहना है कि लंगूर को देखकर लाल मुंह वाले बंदर नहीं आते हैं। ऐसे में जिलाधिकारी के स्तर से प्रयास किए गए हैं।

मृत महिला को जीवित दिखाकर बैनामा कराने वाले तीन गिरफ्तार

संवाददाता–बलरामपुर। 34 साल पूर्व मृत हुई महिला को जीवित दिखाकर उसके स्थान पर दूसरी महिला को खड़ा कर वर्ष 2022 में फर्जी बैनामा करा लिया गया। मामला पुलिस में आया तो फर्जीवाड़े कलई खुल गई। जांच में दोषी पाए जाने पर कूट रचित दस्तावेज बनवाकर फर्जी बैनामा कराने वाले छह लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गई। जिसमें से तीन लोगों की गिरफ्तारी थाना रेहरा बाजार की पुलिस ने सोमवार को की है। तीन लोगों को मामले में एक माह पूर्व पुलिस ने जेल भेजा है। मामला रेहरा बाजार के ग्राम भरतपुर ग्रिंट से सम्बन्धित है।

रेहरा बाजार के ग्राम भरतपुर ग्रिंट निवासी वेद प्रकाश पुत्र राम भरोसे ने थाने में वर्ष 2024 में तहरीर दी। आरोप लगाया कि उनकी दादी श्याम कला पत्नी बुधई निवासी बूधीपुर नौडिहवा थाना रेहरा बाजार की मृत्यु 13 जुलाई 1998 को हो चुकी थी। 22 नवंबर 2022 को बूधीपुर मैटहवा निवासी बसंत कुमार पुत्र केदार सिंह ने उनकी दादी के स्थान पर गांव की ही एक महिला को खड़ा करके उनकी भूमि गाटा संख्या–2125 रकबा 0.4170 हेक्टेयर, गाटा संख्या–2127 रकबा 0.0450 व गाटा संख्या–2128 रकबा 0.1010 तथा गाटा संख्या–2145 रकबा 0.1580 का बैनामा करा लिया। कूट रचित जाली बैनामा करने में बूधीपुर नयानगर निवासी छेदीलाल व विशुनपुर निवासी रक्षाराम को गवाह बनाया गया। आरोप लगाया कि निबंधन कार्यालय उतरौला के कर्मचारियों से सांठ गांठ करके बसंत सिंह ने उनकी दादी की भूमि का बैनामा कराया है। बैनामा के पश्चात उनके पटीदार मैटहवा बूधीपुर निवासी अयोध्या प्रसाद सिंह ने आपराधिक षडयंत्र करते हुए इन चारों गाटों का आधा भाग अपने लड़के डिप्टी सिंह व एक अन्य दूसरे साथी डेबरिया बूधीपुर निवासी राम फेर पुत्र बुधई को गवाह बनाते हुए अपने नाम से बैनामा करा लिया। पीड़ित वेद प्रकाश ने अपनी दादी की मृत्यु के सम्बन्ध मं परिवार रजिस्टर की नकल साक्ष्य के तौर पर पुलिस को दी थी।

घर में लगी भीषण आग, घंटों अफरा–तफरी

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा कस्बे के गांधी चौक पर स्थित एक दुकान के ऊपरी मंजिल स्थित घर में सोमवार को दिन में अचानक आग लग जाने से अफरा–तफरी मच गई। आग की लपटों को देख लोग अपने घरों से बाहर निकल गए। सूचना पर पहुंची फायर सर्विस की टीम ने मशक्कत कर आग पर काबू पाया। इस घटना को लेकर घंटों दहशत व अफरा–तफरी मची रही। आग तो बुझा लिया गया, लेकिन तब तक लाखों के सामान जलकर राख हो गए थे। तहसील प्रशासन, नगर पालिका प्रशासन एवं पुलिस टीमें भी मौके पर बचाव कार्य में जुटी रहीं। गांधी चौक के मुख्य मार्ग पर भोला साहनी का मकान है। नीचे कॉस्मेटिक की दुकान चलती है, जबकि ऊपरी मंजिल पर वह अपने परिवार के साथ रहते हैं। सोमवार की दोपहर बाद करीब 2 बजे अचानक आग के साथ धुएं की लपटें देख लोग सक्ते में आ गए। इस दौरान मां बनैलिया की निकली शोभायात्रा में लोग व्यस्त थे। आग की लपटें देख चीख पुकार होने लगी लोग घरों से निकलकर भागने लगे। देखते–देखते चौराहे पर भगदड़ जैसी स्थिति हो गई। हालांकि सूचना पर तत्काल प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार सिंह टीम के साथ पहुंच गए। फायर सर्विस के पहुंचते ही आग बुझाने में टीम लग गई। कड़ी मशक्कत के बाद करीब 2 घंटे आग पर काबू पाने में लग गया, लेकिन तब तक घर के अंदर रखा लाखों का सामान जलकर राख हो गया। घटनास्थल पर तहसीलदार कर्ण सिंह, नायब तहसीलदार सौरभ श्रीवास्तव, ईओ संदीप कुमार बचाव कार्य में जुटे रहे।

आग लगने की सूचना पर पहुंची पुलिस एवं फायर सर्विस की टीम बचाव कार्य में जुट गई। सीढ़ी लगाकर दूसरे के छत के जरिए उक्त मकान में टीम दाखिल हुई। तभी किचन में लगा गैस सिलेंडर खुला हुआ देख सभी सकते में आ गए। संयोग अच्छा था कि आग की लपटें किचन तक नहीं पहुंच सकी थीं। हर तरफ धुआं इस कदर भरा हुआ था कि कोई भी सामान दिखाई भी नहीं दे रहा था। टीम ने हिम्मत कर किचन में मौजूद सभी सिलेंडर को बाहर निकाल लिया। इस दौरान सिलेंडर से गैस भी रिसाव हो रहा था।

भोला साहनी इलाज कराने किसी अन्य शहर गए हैं। जबकि उनकी पत्नी व बच्चे दुकान पर मौजूद थे। जिस वक्त आग लगी उसे वक्त घर के अंदर कोई मौजूद नहीं था। सभी लोग नीचे कॉस्मेटिक की दुकान में मौजूद थे।

रूम हीटर हुआ ब्लास्ट, युवक झुलसा

संवाददाता–देवरिया। रूम हीटर ब्लास्ट होने से सोमवार की सुबह एक युवक झुलस गया,परिजन उसे इलाज के लिए महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज के इमरजेंसी में भर्ती कराए,जहां चिकित्सकों ने उसकी हॉलत गम्भीर होने के कारण गोरखपुर रेफर कर दिया। मईल थाना क्षेत्र के रेवली निवासी आशुतोष मिश्रा पुत्र मार्कण्डेय मिश्रा सोमवार की सुबह ठंड से निजात पाने के लिए रूम हीटर चालू कर अपना हाथ सेंक रहे थे,कि उसी दौरान एका–एक रूम हीटर ब्लास्ट हो गया और उनके द्वारा पहने हुए कपड़े में आग पकड़ लिया। परिजन जब तक आग को बुझा पाते तब तक उनके शरीर का कुछ हिस्सा झुलस गया। आनन–फानन में उन्हे उपचार के लिए परिजन देवरिया मेडिकल कालेज लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर गोरखपुर रेफर कर दिया।

श्रद्धापूर्वक मनाई गई महाराणा प्रताप की 429 वीं पुण्यतिथि

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा ब्लाक क्षेत्र के ग्राम चड़लहा चौतरवा में स्थित कोटही मॉता मंदिर परिसर में महाराणा प्रताप की 429वीं पुण्यतिथि पर अखिल क्षत्रिय महासभा ने कार्यक्रम आयोजित किया। उन्हें याद किया और श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया। शुभारंभ श्री रामचंद्र एवं महाराणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण कर हुआ। ग्राम प्रधान चड़लहा संजय सिंह की अध्यक्षता में मौजूद मुख्य अतिथि जिला संरक्षक नरसिंह बहादुर सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप धर्म एवं स्वाधीनता के लिए अपना बलिदान दिया। वह आखिरी सांस तक मेवाड़ की धरती को मुगलों के आतंक से बचाने और अपने राज्य की रक्षा के लिए मुगलों से संघर्ष करते रहे। अध्यक्ष संजय सिंह, गोरखपुर मंडल उपाध्यक्ष अजय सिंह एवं नन्हें सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप ने अधीनता स्वीकार न कर अपने राज्य एवं सर्व समाज की रक्षा के लिए जीवन पर्यंत संघर्ष करते रहे। महाराणा प्रताप क्षत्रिय समाज ही नहीं सर्व समाज के लिए पूज्यनीय हैं। जिला महामंत्री सत्य प्रकाश सिंह ने संचालन किया, जबकि वीरेंद्र सिंह, प्रदीप सिंह, टुनटुन सिंह, अमरजीत सिंह, रुदल सिंह, दशरथ, मशहूर, वीरेंद्र, गोलू, राम नरेश आदि लोग मौजूद रहे।

संविधान गौरव अभियान में याद किए गए बाबा साहब

संवाददाता–बलरामपुर। संविधान गौरव अभियान के अन्तर्गत सोमवार को तुलसीपार्क स्थित अटल भवन कार्यालय पर बैठक आयोजित की गई। बैठक में बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर के संविधान की चर्चा की गई है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अवध क्षेत्र के पूर्व महामंत्री नीरज सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने सदैव बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर का अपमान किया है। भारतीय जनता पार्टी की जब सरकार बनी तो भीमराव अम्बेडकर के जन्म स्थान को पंचतीर्थ के रूप में विकसित किया। भारतीय जनता पार्टी बाबा साहब का जन्म दिवस हर बूथ पर भव्य रूप से मनाती है। सदर विधायक पल्टूराम ने कहा कि बाबा साहब ने संविधान का निर्माण कर सभी लोगों को समान अधिकार देने का काम किया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने की। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष बृजेन्द्र तिवारी, जिला महामंत्री वरूण सिंह मोनू, बिंदू विश्वकर्मा, अनुसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष शिव कुमार वाल्मीकि, संदीप वर्मा, ललिता तिवारी, अवधेश तिवारी तरूण, साधना पाण्डेय, सुधा पाण्डेय, निर्मल सिंह, सोनू गौतम व मनोज आर्य सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद थे।

मां बनैलिया के वार्षिकोत्सव पर नौतनवा में निकली शोभायात्रा

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा स्थित मां बनैलिया के 34वें स्थापना दिवस के अवसर पर सोमवार को निकाली गई शोभायात्रा के दौरान मां के जयकारों से पूरा शहर भक्तिमय हो गया। शोभायात्रा में मां बनैलिया की झांकी श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रही थी। भक्ति गीतों एवं मां के जयकारों और भजन–कीर्तन से पूरा नगर गूंज उठा। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष एवं बच्चे भक्ति गीतों पर थिरकते हुए चल रहे थे।

मां बनैलिया की झांकी के दर्शन के लिए जगह–जगह श्रद्धालुओं का हुजूम लगा रहा है। शोभा यात्रा मंदिर परिसर से निकलकर खनुआ चौराहा, गांधी चौक होते हुए अस्पताल चौराहे, जायसवाल मोहल्ला से होकर हनुमान चौक स्टेशन चौराहा होते हुए वापस मंदिर परिसर में पहुंच कर समाप्त हुई। शोभायात्रा मे आगे–आगे मां बनैलिया की झांकी और फिर उसके पीछे पीछे भगवान शिव पार्वती, राम सीता, नवदुर्गा कि झांकी तथा बच्चों के मनमोहक नृत्य अलग ही छटा बिखेर रहे थे। शोभायात्रा में चल रहे भजनों पर भक्त झूमते रहे। तो वहीं जगह जगह पर युवा करतब दिखाते चल रहे थे। कस्बे के मुख्य सड़क से लेकर अंदर की गलियों तक मां के स्वागत के लिए पूरी तरह सजाया गया था। जगह–जगह लोग मां के शोभायात्रा के स्वागत के लिए लोग खड़े दिखे। शोभा यात्रा वापस बनैलिया मंदिर पहुंचकर समापन हुआ। जहां मां के दरबार में आरती उतारी गई और भक्तों में प्रसाद वितरण किया गया। शोभायात्रा में विधायक ऋषि त्रिपाठी, पूर्व विधायक कुंवर कौशल उर्फ मुन्ना सिंह, नपा अध्यक्ष बृजेश मणि त्रिपाठी, सांसद प्रतिनिधि बबलू सिंह, भाजपा नेता जितेंद्र जायसवाल, संतोष जायसवाल, दयाराम जायसवाल, गौतम जोशी, ज्वाला शुक्ला, रविंद्र राजा, अमित जायसवाल, रिखी राम थापा, विंध्याचल अग्रहरी, पुजारी जितेंद्र पांडेय, शिवकुमार शर्मा, दुर्गा मद्धेशिया सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं पुरुष भक्त शामिल रहे।

शोभा यात्रा का श्रद्धालुओं ने जगह–जगह स्टाल लगाकर प्रसाद वितरण कर स्वागत किया। पूर्व विधायक अमन मणि त्रिपाठी के कैंप कार्यालय पर स्टॉल लगाया गया तो वहीं नगरपालिका अध्यक्ष बृजेश मणि त्रिपाठी के अलावा भी बड़ी संख्या में भक्तों की तरफ से स्टाल लगाकर लोगों में प्रसाद वितरण किए गए। कस्बे के जयहिंद चौराहा, अस्पताल तिराहा, हनुमान चौक, जयसवाल मोहल्ला, गांधी चौक आदि जगहों पर भी लोगों ने बड़ी संख्या में स्टाल लगाकर श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किए।

ब्याज मुक्त कर्ज को 400 ने कराया पंजीकरण

संवाददाता–महराजगंज। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत जिले के अधिक से अधिक युवाओं को ब्याज मुक्त ऋण के लिए विकास भवन सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें सीडीओ अनुराज जैन व उपायुक्त उद्योग एवं उद्यमिता विकास केंद्र अभिषेक प्रियदर्शी ने योजना के लाभ के बारे में जानकारी दी। समाधान समिति ने उद्यमियों की समस्याओं के समाधन बताए। योजना के तहत जिले में एक हजार लोगों को लाभ दिलाए जाने का लक्ष्य है। इसके क्रम में कार्यशाला में 400 युवाओं को पंजीकरण कराया गया। समाधान समिति के विशेषज्ञ रजत मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी की आवेदन प्रक्रिया को सरल कर दिया गया है। प्रशिक्षण प्रमाण पत्र की अनिवार्यता को कुछ अवधि के लिए रोक दिया गया है। सीडीओ अनुराज जैन ने बताया कि इस अभियान में रोजगार के लिए युवक–युवतियों को पांच लाख रुपये तक का ऋण बिना किसी ब्याज के दिया जाएगा। ऋण योजना का लाभ उत्पादन या सेवा कार्य किसी के लिए भी लिया जा सकता है। उपायुक्त उद्योग एवं उद्यमिता प्रोत्साहन केंद्र अभिषेक प्रियदर्शी ने बताया कि आवेदन ऑनलाइन होगा। इस योजना से सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यमों को बढ़ावा व गति प्रदान किया जाएगा। ऑनलाइन आवेदन एमएसएमईडाटयपीडाटजीओवीडाटइन पर आवेदन करना होगा। इसमें 21 वर्ष से 40 वर्ष तक की उम्र वाले लोग ही आवेदन कर लाभ ले सकते हैं। इससे कम या अधिक उम्र वालों के लिए यह योजना नहीं है। योजना में ऐसी परियोजनाएं ऋण अनुदान के लिए अनुमान्य नहीं होगी जो निगेटिव लिस्ट तम्बाकू, गुटखा, पान व पटाखों को निर्माण इत्यादि के अन्तर्गत आती हों। चयन के बाद आवेदन को उद्योग व सेवा क्षेत्र की अधिकतम पांच लाख रूपये तक की परियोजना के लिए ब्याज मुक्त ऋण दिया जाएगा। जिसे चार वर्ष के अंदर लौटाना होगा। चार वर्ष के भीतर समय से कर्ज चुकाने पर फिर से कर्ज दिया जाएगा। दूसरे चरण के कर्ज में अधिकतम दस लाख रूपये तक कर्ज दिया जाएगा। लेकिन इसमें 50 प्रतिशत धनराशि ब्याजमुक्त रहेगी। शेष 50 प्रतिशत धनराशि पर पांच प्रतिशत की दर से ब्याज लगाया जाएगा। दूसरी बार के कर्ज को तीन वर्ष में चुकान होगा।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर में मिलेगी बेहतर सुविधाएं–अवनीश

संवाददाता–श्रावस्ती। जमुनहा विकास क्षेत्र के बालापुर के स्वास्थ्य उपकेन्द्र में जच्चा बच्चा केन्द्र व आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित किया गया है। इससे स्थानीय स्तर पर प्रसव की सुविधाएं मिल सकेंगी। साथ ही आरोग्य मंदिर से स्वास्थ्य सेवाओं की कमी दूर होगी। जच्चा–बच्चा केंद्र व आयुष्मान आरोग्य मंदिर का शुभारम्भ सोमवार को मल्हीपुर सीएचसी अधीक्षक डा अवनीश कुमार तिवारी ने फीता काटकर किया। उन्होंने कहा कि यह उपकेंद्र क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जच्चा बच्चा केन्द्र संचालित होने से गर्भवती महिलाओं को प्रसव के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। साथ ही बच्चों को भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर के माध्यम से सामान्य रोगों का इलाज व स्वास्थ्य परामर्श मिलेगा। वहीं डा दिवाकर सिंह ने कहा कि सरकार लोगों को बेहतर से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने को प्रतिबद्ध है। लगातार स्वास्थ्य क्षेत्र तकनीकियों से विकसित किया जा रहा है। जच्चा बच्चा केन्द्र में स्थानीय स्तर पर प्रसव की सुविधा मिलेगी। आरोग्य मंदिर में लोगों को प्राथमिक उपचार की भी सुविधाएं मिलेगी। लोगों को छोटी छोटी स्वास्थ्य समस्या के लिए अब जिला अस्पताल व सीएचसी नहीं जाना पड़ेगा। यह सुविधा गांव में ही मिल जाएगी। इस मौके पर प्रधान संघ अध्यक्ष भीम सिंह, प्रधान प्रतिनिधि मगन बिहारी वर्मा, सीएचओ रश्मि द्विवेदी, एएनएम संगीता देवी, आशा संगिनी आशा सिंह आदि मौजूद रहीं।

साहब पांच बार हुई पैमाइश, लेकिन नहीं मिला कब्जा

संवाददाता–श्रावस्ती। लोगों की समस्या का समाधान करने को लेकर सोमवार को सभी तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। जिसमें जिलाधिकारी ने लोगों की शिकायत सुनी। साथ ही प्राप्त शिकायतों का समाधान कराया। भिनगा तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने सुनवाई की। इस दौरान चौबेपुरवा निवासी इब्राहिम खां ने डीएम को प्रार्थनापत्र देकर शिकायत की कि एक जमीन का आधा भाग उसकी पत्नी शर्मारूल निशा के नाम दर्ज है। जिस पर कुछ लोगों ने जबरन कब्जा कर मकान बना लिया है। जमीन की पांच बार पैमाइश भी की जा चुकी है। इसके बाद भी जमीन नही मिली है। इस पर डीएम ने राजस्व व पुलिस की टीम को मौके पर जांच कर कब्जा दिलाए जाने का निर्देश दिया। इसी तरह कोकल निवासी किशोरी लाल पुत्र भुलई शिकायत की कि उसकी जमीन पर विपक्षी ने कब्जा कर लिया है। मामले का संज्ञान लेते हुए डीएम ने संबंधित को पीड़ित की जमीन को कब्जा मुक्त कराने का निर्देश दिया। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि लोगों की शिकायतों का समयबद्ध तरीके से निस्तारण करें। एसडीएम खुद लंबित शिकायतों की समीक्षा करते रहें। इस दौरान 18 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। जिसमें से मौके पर तीन का निस्तारण किया गया। जमुनहा में 12 व इकौना में 32 शिकायते प्राप्त हुई। जिसमें दोनों जगह तीन–तीन शिकायतों का निस्तारण किया गया।

आठवें वेतन आयोग की सराहना, पुरानी पेंशन बहाल की मांग

संवाददाता–बलरामपुर। विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन एवं जूनियर हाई स्कूल पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ की संयुक्त बैठक कैंप कार्यालय नई बाजार में आयोजित की गई जिसमें केंद्र सरकार की पहल पर आठवें वेतन आयोग के गठन की सराहना की गई। बैठक में आठवें वेतन आयोग के भांति पुरानी पेंशन बहाली की मांग शिक्षक संघ ने की गई है।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे संघ के प्रांतीय अध्यक्ष दिलीप चौहान ने कहा कि शिक्षक, कर्मचारियों एवं अधिकारियों के संघर्ष का परिणाम है कि आठवां वेतन आयोग गठन को हरी झंडी मिल गई है। ऐसे ही संघर्ष जारी रहा तो पुरानी पेंशन भी बहाल होगी। जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र शुक्ल ने कहा कि वर्षों से आठवें वेतन आयोग की मांग की जा रही थी। इसको लेकर शिक्षक, कर्मचारी व अधिकारियों को अपने आंदोलन को और भी तेज कर देना चाहिए। सबसे जरूरी बुढ़ापे का सहारा पुरानी पेंशन है। इसे भी लागू करना चाहिए। पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष कमरुद्दीन एवं विशिष्ट बीटीसी संघ जिलामंत्री तुलाराम गिरी ने कहा कि संगठन की ओर से आठवें वेतन आयोग गठन को हरी झंडी देने पर प्रधानमंत्री मोदी को बधाई पत्र दिया जाएगा। इसके साथ–साथ शिक्षक, कर्मचारी व अधिकारी की वर्षों से बंद पुरानी पेंशन बहाली की भी मांग की जाएगी। बैठक में जिला मीडिया प्रभारी निर्मल कुमार द्विवेदी एवं मंडलीय उपाध्यक्ष डॉ उत्तम चंद्र गुप्ता ने भी केंद्रीय एवं राज्य सरकार से पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग की। पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ जिला मंत्री राजेश कुमार एवं जिला महामंत्री बृजेश चौधरी ने कहा की पुरानी पेंशन शिक्षक कर्मचारी अधिकारियों का अधिकार है। इसे केंद्र एवं राज्य सरकार को बहाल करना ही होगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रांतीय समिति के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आठवीं वेतन आयोग के गठन की भांति ही पुरानी पेंशन बहाली का भी सौगात शिक्षक कर्मचारियों अधिकारियों को देने की मांग की जाएगी। इस अवसर पर प्रदीप कुमार चौहान, चंदेश्वर मिश्रा, सुभाष मिश्रा, आदर्श कुमार, रामानुज वर्मा सहित अन्य संघ पदाधिकारी व शिक्षक शामिल रहे।

नवनिर्मित श्री सीताराम आश्रम में विराजे सर्वेश्वर भगवान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान श्री राम लला के प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या में जहां श्रद्धालुओं की सेवा के लिए निरंतर होटल धर्मशालाएं बना रहे हैं वहीं सेवा के उद्देश्य से मंदिरों का निर्माण भी बड़ी तेजी से चल रहा है इसी क्रम में दीनबंधु हॉस्पिटल से आगे सोना देवी मार्ग पर आज रविवार को नवनिर्मित श्री सीताराम आश्रम में सर्वेश्वर भगवान श्री सीताराम जी महाराज की प्राण प्रतिष्ठा किया गया और साथ ही साथ श्री राम वल्लभा कुंज वेदांती मंदिर के अधिकारी राजकुमार दास महाराज के सानिध्य में अयोध्या के दर्जनों संतों महंतों ने मंदिर की देखभाल ठाकुर जी की सेवा उत्सव सवैया और अयोध्या में आने वाले भक्तों की सेवा के लिए मदनमोहन दास महाराज को कंठी चद्दर तिलक देकर के श्री सीताराम आश्रम का महंत नियुक्त किया। इस अवसर पर नवनियुक्त महंत मदनमोहन दास महाराज ने बताया कि आश्रम की स्थापना का मुख्य उद्देश्य सनातन धर्म की जड़ को मजबूत करना है।उन्होंने बताया कि हमारे पूर्वजों के लंबे संघर्ष के बाद अपने जन्म स्थान पर श्री राम लला विराजमान हुए मन में उत्कंठा थी की अयोध्या में आने वाले राम भक्तों की सेवा की जाए सनातन धर्म का प्रचार प्रसार किया जाए जिससे इसकी जड़ और मजबूत हो इसी उद्देश्य के साथ मंदिर का निर्माण कराया गया आज अयोध्या के प्रतिष्ठित संतों के उपस्थिति में ठाकुर जी की प्राण प्रतिष्ठा हुई और संतों के आदेश से इस आश्रम की देखभाल के लिए मुझे नियुक्त किया गया मैं सभी का आभार व्यक्त करता हूं।बालाजी सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रामदास महाराज ने बताया कि महंत मदनमोहन दास महाराज कर्मनिष्ठ, धर्मनिष्ठ संत हैं इन्होंने अपने कर्म के बदौलत मोक्षदायिनी सप्तपूरियों में प्रथम पुरी अयोध्या पुरी में सनातन धर्म प्रचार के लिए आश्रम का निर्माण कराया ठाकुर जी की प्राण प्रतिष्ठा हुई अब निरंतर अष्टयाम सेवा होगी उत्सव सवैया होंगे इसके लिए अयोध्या के सतों ने महाराज जी को नवनिर्मित श्री सीताराम आश्रम का महंत बनाया तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का कार्यक्रम हुआ वेदिक पूजा अर्चन के साथ प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का कार्यक्रम संपन्न हुआ आश्रम में संत पधारे सभी का अत्यधिक सत्कार किया गया और सभी ने श्री महाराज जी को नवनिर्मित आश्रम का महंत नियुक्त किया। इस अवसर रावत रावत मंदिर के महंत राममिलन दास, वेदमंदिर के उत्तराधिकारी महंत कन्हैया दास, महंत रामकृष्ण दास रामायणी, महंत रामदास, मिथिला बिहारी दास, संतदास आदि संत–महंत और भक्तगण उपस्थित रहे।

पीलीभीत का बाघ आदमखोर नहीं, अब होगा 'केसरी', सीएम योगी ने रखा नाम, गंगा प्रसाद को बाड़े में छोड़ा

संवाददाता—गोरखपुर। चिड़ियाघर में हाथी के रेस्क्यू सेंटर का लोकार्पण, बाघ एवं भेड़ियों को बाड़े में छोड़ने के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हाथी रेस्क्यू सेंटर का शुभारंभ किया गया है। ग्रामीण के विधायक विपिन सिंह ने हाथी को डोनेट किया है। जनप्रतिनिधि ने विधानसभा का होने की वजह से अपने हाथी को डोनेट किया। दर्शकों के लिए एक भारी भरकम बाघ को छोड़ा गया है। पीलीभीत से पकड़ कर लाया गया था, वहां इसने मानवों पर हमला किया था। इसका नामकरण कर दर्शकों के लिए छोड़ दिया गया। बताया कि अबसे वो केसरी नाम से जाना चाएगा। मजाकिया लहजे में कहा कि रविकिशन उसके बाड़े में जाने को तत्पर थे, लेकिन हमने रोक दिया कि अभी आगे भाषण भी देना है।

दरअसल , बहराइच में भेड़ियों का एक झुंड हमला कर रहा था। गोरखपुर चिड़ियाघर और बहराइच के वन विभाग की टीम ने दो भेड़ियों को रेस्क्यू कर गोरखपुर चिड़ियाघर लाया। सोमवार को सीएम योगी ने नर भेड़िए का नाम भैरव और मादा का नाम भैरवी रखा है। इसके अलावा बाघ का नाम केशरी रखा। सीएम योगी चिड़ियाघर में राइनो के पास भी गए थे। उसको खिलाए। शेर के पास गए, बुलाने पर आ गया। कहा कि जानवरों को प्रेम से रखें तो वह अच्छे से पेश आते हैं। प्रकृति और पशु पक्षुओं के साथ संतुलन बना कर रहना होगा। पिछले 7—8 वर्षों में सरकार ने पर्यावरण के प्रति कार्य किया है। 100 करोड़ पौध लगे हैं। कैंपियरगंज में जटायु केंद्र बना है। जल्द ही वहां फॉरेस्ट यूनिवर्सिटी बनेगी। पर्यावरण के दुश्मन से परहेज करना है। सिंगल यूज प्लास्टिक को प्रतिबंधित करना है। जो जल या पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते हैं, उनसे दूरी बनानी होगी। हर व्यक्ति एक पेड़ लगाए और उसका संरक्षण करें। बरसात का पानी बेकार न जाए, इसके लिए रेन वॉटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा दें।

मुझे खुशी है कि 2021 में चिड़ियाघर का लोकार्पण हुआ। अभी तक 30 लाख से अधिक लोग यहां आ चुके हैं। प्रकृति और पर्यावरण के लिए जितना काम होगा उतना की हम आगे बढ़ेंगे। भविष्य हमारा उज्ज्वल होगा।

समीक्षा बैठकः मुख्यमंत्री योगी का निर्देश— प्रोजेक्ट्स में नोडल अधिकारी हों नियुक्त, 7 दिन में जांची जाए प्रगति रिपोर्ट

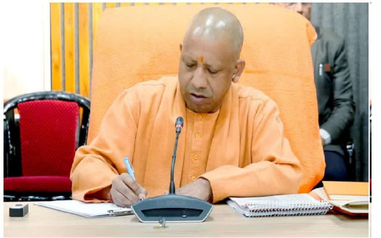

संवाददाता—गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स (विकास परियोजनाओं) में मैनपावर बढ़ाकर काम में तेजी लाई जाए। किसी भी परियोजना की गति सुस्त नहीं होनी चाहिए। हर परियोजना समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण हो, इसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए।

इसके साथ यह भी जरूरी है कि हर प्रोजेक्ट के लिए एक नोडल अधिकारी तय करते हुए उनसे साप्ताहिक प्रगति की ली जाए। हर प्रोजेक्ट की जिलाधिकारी या वरिष्ठ अधिकारी पंद्रह दिन पर समीक्षा करें, साथ ही परियोजनाओं की प्रगति को लेकर एक निश्चित अवधि पर जनप्रतिनिधियों के साथ भी बैठक की जाए। सीएम योगी सोमवार को गोरखपुर के एनेक्सी भवन सभागार में जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ बैठक कर विकास परियोजनाओं और कानून व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने जीडीए, नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग, जल निगम, गीडा समेत विभिन्न विभागों की परियोजनाओं की अद्यतन प्रगति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा निर्माण कार्य को समयबद्ध और गुणवत्ता के साथ पूरा करने के लिए एक नोडल अधिकारी को मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी सौंपी जाए। नोडल अधिकारी हर सप्ताह की प्रगति की जानकारी जिलाधिकारीको उपलब्ध कराए।

उन्होंने कहा कि सभी परियोजनाओं की मॉनिटरिंग करने के लिए जनप्रतिनिधियों की भागीदारी भी होनी चाहिए। अधिकारी समय समय पर जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उन्हें विकास कार्यों की प्रगति से अवगत कराएं, उनसे मिलने वाले सुझावों पर भी ध्यान दें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों की समस्याओं के निस्तारण के लिए अधिकारी नियमित और संवेदनशील ढंग से सुनवाई करें। आईजीआरएस और सीएम हेल्पलाइन पर आने वाली शिकायतों का तत्परता से निस्तारण करने के साथ शिकायतकर्ता से फीडबैक भी लें। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत कुछ वर्षों से गोरखपुर उद्यमियों के लिए पसंदीदा स्थल बनकर उभरा है। अधिकारियों की यह जिम्मेदारी है कि वे उद्यमियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं का समाधान करें। गीडा में उद्यमियों की समस्याओं को दूर करने और शासन की योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए ऑनलाइन मशीनरी को मजबूत किया जाए। मुख्यमंत्री ने बैंकर्स मीट को व्यावहारिक बनाने की हिदायत देते हुए कहा कि जनपद के सीडी रेशियो को 58 प्रतिशत से 75 प्रतिशत करने का लक्ष्य लेकर कार्य किया जाए।

कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति बरकरार रहनी चाहिए। माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई का क्रम थमना नहीं चाहिए। सीएम ने गो तस्करों को चिन्हित करने और उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की भी हिदायत दी। उन्होंने पुलिस पैट्रोलिंग और फुट पैट्रोलिंग बढ़ाने और पीआरवी का रिस्पांस टाइम और उत्कृष्ट करने के निर्देश दिए। सीएम योगी ने ट्रैफिक प्रबंधन को और सुदृढ़ करने पर जोर देते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सड़कों पर गाड़ियां न खड़ी रहें। सभी वाहन तय पार्किंग स्थल पर ही खड़े हों। टेम्पो को भी उनके लिए निर्धारित स्टैंड पर ही खड़ा कराया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि ऑटो या ई रिक्शा की स्टीयरिंग नाबालिगों के हाथ में न हो। सभी स्ट्रीट वेंडर्स को तय वेंडिंग जोन में व्यवस्थित किया जाए। मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक में कई जनप्रतिनिधि, प्रशासन, पुलिस और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

समीक्षा बैठक से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में एनेक्सी भवन के प्रथम तल पर बने हैं कान्फ्रेसिंग हाल (सभागार कक्ष) का उद्घाटन किया।

पिकअप से कुचलकर बुजुर्ग महिला की मौत, दो घंटे तक वाहन में फंसा रहा शव

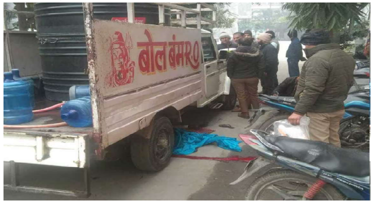

संवाददाता—गोरखपुर। गीडा थाना क्षेत्र के आवासीय कालोनी सेक्टर 23 में सोमवार सुबह पिकअप चालक ने बुजुर्ग महिला को कुचल दिया। जिससे मौके पर उसकी मौत हो गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। स्थानीय लोगों ने चालक पर लापरवाही का आरोप लगाया है। बुजुर्ग के बेटे ने पुलिस को तहरीर दी है। गीडा सेक्टर 23 आवासीय कालोनी में पिकअप चालक टंकी में पानी भरकर घर घर सप्लाई करता है। सुबह पिकअप चालक पानी सप्लाई करने गया था। मकान नं डी 77निवासी स्व शिवशंकर सिंह की पत्नी द्रोपती देवी 70वर्ष की फूल तोङ रही थी ।उसी दौरान पिकअप चालक ने वाहन को पीछे से उनके उपर चढा दिया ।जिससे मौके पर उनकी मौत हो गयी ।सूचना पहुंची पुलिस ने पिकअप में फंसे शव को निकलवाया ।कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया ।मृतिका के बेटे गिरिजेश सिंह ने चालक के खिलाफ थाने में तहरीर दे दिया है ।पुलिस ने वाहन को कब्जे में ले लिया है। पिकअप चढने के बाद द्रोपती देवी पिकअप में फघ्स गया था ।पुलिस व स्थानीय लोगों ने वाहन से शव निकालने के लिए कडी मशक्कत करनी पड़ी। पिकअप से शव करीब दो घंटे बाद निकला। तब जाकर पुलिस शव को कब्जे में ले सकी।

कालोनी के लोगों ने बताया पिकअप चालक काफी मनबढई करता था। कालोनी में काफी रफ्तार से वाहन चलाता था ।जिसके लिए कई बार लोगो ने मना कर वाहन धीरे चलाने की हिदायत दी थी लेकिन वह नही माना आखिर एक बुजुर्ग महिला की जान चली गयी।

प्रयागराज हाईवे पर पेड़ से टकराई अनियंत्रित स्कॉर्पियो, एक की मौत, छह लोग घायल

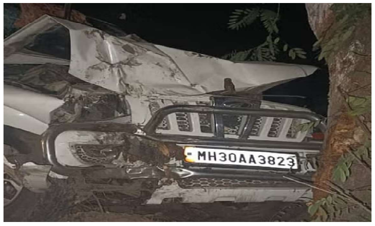

संवाददाता—अयोध्या। सोमवार तड़के करीब 4:30 बजे प्रयागराज से आ रही स्कॉर्पियो पेड़ से टकरा गई। इसमें सात लोग घायल हुए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सातों घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। वहां महाराष्ट्र के गोंडिया निवासी एक घायल कृष्णा गौतम (33) पुत्र मोहन गौतम की इलाज के दौरान मौत हो गई। अन्य घायलों का इलाज किया जा रहा है। हादसा पूराकलंदर थाना क्षेत्र के प्रयागराज हाईवे पर पिपरी टोल प्लाजा के पास हुआ।

हादसे में ओम प्रकाश श्रीधर, ओंकार मेश्राम, नरेंद्र शिवचरण, महेंद्र ठाकरे, अनिल नामा, कोमल नारायण घायल हुए हैं। सभी घायल महाराष्ट्र के निवासी हैं। यह लोग प्रयागराज महाकुंभ से स्नान करके अयोध्या में श्री रामललला के दर्शन के लिए आ रहे थे।

राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक, नृपेंद्र मिश्र बोले—महाकुंभ के चलते राम मंदिर निर्माण कार्य प्रभावित

जयश्री राम
श्रीराम

संवाददाता—अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर को लेकर नया अपडेट आया है। राम दरबार मूर्ति की प्रगति के बारे में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने बताया है कि सिर्फ राम दरबार की मूर्ति नहीं, बल्कि अन्य 7 मंदिरों की मूर्तियां जयपुर में तैयार हो रही हैं। श्राम दरबारश की मूर्ति 31 जनवरी या 15 फरवरी तक पूरी हो सकती है। उधर, राम मंदिर के भवन निर्माण समिति की दो दिवसीय समीक्षा बैठक भी सोमवार से होगी। इस बैठक को लेकर समिति चेयरमैन नृपेन्द्र मिश्र रविवार की सायं अयोध्या पहुंच गए। उन्होंने हनुमानगढ़ी व रामलला का दर्शन पूजन करने के बाद श्रीरामजन्मभूमि में निर्माणाधीन कार्यों का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परकोटे व लोअर प्लिंथ में अलग—अलग लगाए जाने वाले रामायण के एपिसोड को लेकर विशेषज्ञों से चर्चा की।

इस बारे में तीर्थ क्षेत्र के न्यासी डा अनिल मिश्र ने बताया कि राम मंदिर के लोअर प्लिंथ में वाल्मीकि रामायण के संस्कृत श्लोकों के साथ उनका हिंदी व अंग्रेजी में अनुवाद लिखा भी अंकित किया जा रहा है। इसके साथ ही यहां वाल्मीकि रामायण के सम्बन्धित प्रसंगों के थ्रीडी चित्र भी बनाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि लोअर प्लिंथ में रामायण के 80 प्रसंगों को चिह्नित किया गया है। उन्होंने बताया कि रविवार की बैठक में सम्बन्धित निर्माण के विशेषज्ञों ने अपना—अपना प्रजन्टेशन भी प्रस्तुत किया।

चेयरमैन नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि इसी तरह परकोटा में रामायण के 85 प्रसंगों के चित्र ब्रांज मेटल पर लगाए जा रहे हैं। बताया गया कि इसकी पैमाइश के दौरान प्रसंगों के अनुसार अलग—अलग साइजों के चित्रों को लगाने की सहमति बनी। उन्होंने बताया कि इसको लेकर भी सम्बन्धित विशेषज्ञों ने अपना—अपना प्रजन्टेशन दिया। उन्होंने बताया कि अवशेषों विषयों पर सोमवार को चर्चा के साथ समीक्षा भी की जाएगी। उधर तीर्थ क्षेत्र महासचिव चंपतराय ने बताया कि मकर संक्रांति पर जिस प्रकार की भीड़ यहां आई, उसको देखकर मौनी अमावस्या पर भीड़ की संभावना का अंदाजा सहज लगाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं के विश्राम के लिए मणि पर्वत के निकट तीर्थ क्षेत्र पुरम में टेंट सिटी का निर्माण कराया जा रहा है। इसमें दस हजार श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था होगी। इसी तरह कारसेवक पुरम में भी आवासीय व्यवस्था के अलावा अंगद टीला में भी तीर्थ यात्रियों के विश्राम की व्यवस्था की गयी है। उम्मीद की जा रही है कि दो दिन की बैठक में और ऐलान होंगे।

पूर्व सीएम खट्टर ने किए रामलला के दर्शन

ZEE
TV9 भारतवर्ष
अमृत विचार
न्यूज़

संवाददाता—अयोध्या। केंद्रीय मंत्री व हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सोमवार को अयोध्या में रामलला के दर्शन किए और कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मैं 1980 से ही राम मंदिर आंदोलन से जुड़ा रहा हूं। मैं स्वर्गीय अशोक सिंघल जी के साथ काम करता था जिन्होंने अयोध्या में भव्य राम मंदिर की कल्पना की थी आज यहां दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त किया। खट्टर ने महाकुंभ को लेकर हो रही बयानबाजी पर कहा कि जिसे शुद्ध अतःकरण से आना होगा वो महाकुंभ आएगा जिसे नहीं आना होगा वो नहीं आएगा।

गलत बिजली बिल देने वाले मीटर रीडरों पर गिरेगी गाज

संवाददाता—अयोध्या। उपभोक्ताओं के गलत बिजली बिल बनाने, नियमित रूप से रीडिंग न लेने और फर्जी रीडिंग देने वाले मीटर रीडरों को उपकेंद्रों से हटाया जाएगा। मुख्य अभियंता वितरण अशोक कुमार चौरसिया ने उपभोक्ताओं की शिकायत व अधिकारियों की रिपोर्ट का संज्ञान लेते हुए मीटर रीडरों को नियुक्त करने वाली पंजाब के मोहाली की कंपनी मेसर्स टीडीएस मैनेजमेंट के अधिकारियों को पत्र भेज तीन दिनों में कार्रवाई का आदेश दिया है। इसमें अयोध्या मंडल के सभी जिलों के लगभग डेढ़ दर्जन मीटर रीडर बताए जा रहे हैं। मुख्य अभियंता की समीक्षा में प्रत्येक जिले से लगातार गलत बिलिंग किए जाने की रिपोर्ट मिली तो उन्होंने इसका संज्ञान लेकर सभी अधीक्षण अभियंताओं से रिपोर्ट मांगी। बताया जा रहा कि अंबेडकरनगर, अमेठी, अयोध्या व बाराबंकी के चार—चार और सुलतानपुर के पांच विद्युत वितरण खंडों से जुड़े सैकड़ों बिल डिफेक्टिव रीडिंग के भी पाए गए तो संविदा पर तैनात मीटर रीडरों को सेवा से तुरंत मुक्त करने का निर्णय लिया गया है। मुख्य अभियंता ने कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि बिलिंग में लापरवाही बरतने को लेकर कार्रवाई की गई है। उपभोक्ताओं को गलत बिल देने और फर्जी रीडिंग अंकित किया जाना अक्षम्य है, इसको लेकर सख्ती बरती जा रही है। अन्य विद्युत वितरण खंडों से भी रिपोर्ट मंगवाई गई है।

वहीं लखनऊ में बिजली चोरी पर नकेल लगाने निकली विभाग की टीम पर उपभोक्ता सत्येंद्र साहू ने अपनी स्कार्पियो चढ़ाने का प्रयास किया। किसी तरह से उपखंड अधिकारी भरत सिंह, टीजी टू दिनेश सिंह ने भागकर अपनी जान बचाई। वहीं घटना से पूर्व मार्निंग रेड में बिजली विभाग की टीम ने अधीक्षण अभियंता मुकेश त्यागी के निर्देश पर सआदतगंज के मेहंदीगंज मोहल्ले में चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान अवर अभियंता नीलेश सिंह, उपखंड अधिकारी भारत सिंह ने टीम के साथ सत्येंद्र साहू के आवास पर जांच की तो मौके पर पाया गया कि उपभोक्ता पोल से सीधे केबल खींचकर बिजली चोरी कर रहे थे। यहां अस्थाई निर्माण करके टीन शेड् रखा था और कई ई रिक्शा चार्ज किए जा रहे थे। बिजली कर्मियों द्वारा दर्ज कराए गए मुकदमें में आरोप लगाया गया कि जब उपखंड अधिकारी भरत सिंह व अन्य बिजली कर्मी कैंपवेल रोड की तरफ जा रहे थे तो सत्येंद्र साहू ने अपनी स्कार्पियो यूपी 32 पीवाई 9961 अभियंताओं पर चढ़ाने का प्रयास किया।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर
तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

मूलवाद सं0—772 / 2024

न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला—बस्ती

शौकत अली आदि
बनाम
राम अभिलाख आदि

1. राम अभिलाख उम्र लगभग 60 वर्ष 2. लवकुश उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्रगण कृपा सिंह निवासीगण ग्राम व पोस्ट—बढ़या तप्पा अतरोह परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 06—02—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 06 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर
तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

मूलवाद सं0—178 / 2024

न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय खलीलाबाद बस्ती जिला—बस्ती

रामशंकर आदि
बनाम
वीरेन्द्र कुमार आदि

1. वीरेन्द्र कुमार उम्र लगभग 35 साल पुत्र बाबूराम 2. धर्मावती उम्र लगभग 32 साल 3. प्रतिभा उम्र लगभग 25 साल 4. सोनी उम्र लगभग 22 साल पुत्रीगण स्व0 बाबूराम 5. गुजराती देवी उम्र लगभग 65 साल पत्नी स्व0 बाबूराम 6. बुधिराम उम्र लगभग 62 साल पुत्र स्व0 राम कुमार 7. सुरेन्द्र उम्र लगभग 46 साल पुत्र स्व0 राम बहादुर निवासीगण मौजा कोठवा भरतपुर तप्पा पिपरा परगना नगर पूरब तहसील व जिला—बस्ती

तारीख पेशी 10—02—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 10 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

घर का ताला तोड़कर चोरी

संवाददाता—गोरखपुर। गुलरिहा इलाके के सरहरी गांव के पड़हिया टोला में संतोष यादव के मकान का ताला तोड़कर चोर जेवर व सामान उठा ले गए। मई में उनके बेटी की शादी होनी है, जिसके लिए जेवर एवं कपड़े खरीद कर रखे थे। रविवार की रात घर के सभी लोग भोजन के बाद दूसरी मंजिल पर सोने चले गए थे। सोमवार सुबह नीचे आए तो कमरे का ताला टूटा हुआ था। कमरे में गए तो बाक्स का भी ताला टूटा था तथा सामान बिखरा था। सूचना पर पहुंची सरहरी चौकी पुलिस ने जांच की। पीड़ित की सूचना पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विद्यालय में चोरी

संवाददाता—गोरखपुर। पूर्व माध्यमिक विद्यालय सहडौली में ताला काट कर चोर विद्युत मोटर, बर्तन, अनाज, ब्लूटूथ डिवाइस आदि उठा ले गए। यह जानकारी प्रधानाध्यापिका विंदेश्वरी देवी ने देते हुए बताया कि बीच में स्कूल ठंड के कारण बंद था। सोमवार से विद्यालय खुला है। जब विद्यालय खुला तो चोरी की जानकारी हुई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मिल्कीपुर उपचुनावः भाजपा के 45 विधायक चुनाव प्रचार में रहेंगे मौजूद, डोर टू डोर कैंपेन करने के दिए गए निर्देश

संवाददाता—अयोध्या। भारतीय जनता पार्टी के 45 विधायक प्रवासी के रूप में मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र में डोर टू डोर कैंपेन करेंगे। यह जानकारी पार्टी के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने उपचुनाव के प्रभारी मंत्रियों व प्रवासी नेताओं की इनायतनगर के एक स्कूल में हुई बैठक में दी। इस दौरान उन्होंने प्रभारी मंत्रियों के दायित्व भी नए सिरे से तय किए।

बैठक में प्रदेश महामंत्री ने सभी प्रभारी मंत्रियों व प्रवासी नेताओं से उप चुनाव को लेकर विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि आप सब अपने निर्धारित क्षेत्रों में जाकर बूथ स्तर के कार्यकर्ता को साथ लेकर घर—घर संपर्क करते हुए भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने के लिए प्रेरित करें। मतदाता सूची का गहनता से अवलोकन करें। अपने मतदाताओं की पहचान कर उनका शत प्रतिशत मतदान अवश्य कराएं।

भाजपा के पांचों मंडलों मिल्कीपुर, कुचेरा, अमानीगंज, खंडासा व हैरिंग्टनगंज में अलग— अलग मंत्रियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। साथ ही प्रत्येक शक्ति केंद्रों पर प्रवासी नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है। चुनाव प्रबंधन पर चर्चा करते हुए प्रदेश महामंत्री ने सभी को अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का आह्वान किया। बैठक में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु, सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर, खाद्य व रसद राज्य मंत्री सतीश शर्मा, खेल राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, प्रदेश उपाध्यक्ष व एमएलसी धर्मेंद्र सिंह, अवनीश पटेल , विधायक अमित सिंह चौहान, रमापति शास्त्री, सुरेश पासी, भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, पूर्व विधायक इंद्र प्रताप तिवारी खब्बू, पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा, रामू प्रियदर्शी, पूर्व जिलाध्यक्ष कमला शंकर पांडेय, अवधेश पांडेय बादल, कमलेश श्रीवास्तव, अभिषेक मिश्र व शक्ति केंद्रों पर नियुक्त प्रवासी मौजूद रहे।

ब्लॉक प्रमुख बृजेश यादव पर जालसाजी सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज

संवाददाता—गोरखपुर। जंगल कौड़िया के ब्लॉक प्रमुख बृजेश यादव सहित छह लोगों पर कोर्ट के आदेश पर चिलुआताल पुलिस ने जालसाजी सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। इस मामले में अन्य पांच आरोपितों में ग्राम विकास अधिकारी और ग्राम रोजगार सेवक भी शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक बस्ती जिले की मुंडेरा बाजार की रहने वाली महिला के नाम फर्जी तरीके से परिवार रजिस्टर में शामिल कर उसका नाम खतौनी में दर्ज कर दो एकड़ जमीन बेचने की जालसाजी का आरोप है। उसी जमीन को ब्लॉक प्रमुख ने खरीदा है। केस दर्ज होने के बाद पुलिस ने विवेचना शुरू कर दी है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट त्विषी श्रीवास्तव ने केस दर्ज करने का आदेश दिया। चिलुआताल पुलिस ने ब्लॉक प्रमुख बृजेश यादव, शांति देवी, चिलुआताल थाना क्षेत्र के ग्राम कुशहरा के तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी शरद कुमार श्रीवास्तव व ग्राम रोजगार सेवक रवि प्रताप सिंह, अकलू सिंह और अनिल सिंह के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

वसूली सरकार के इशारे पर पुलिस कर रही धक्का मुक्की, जनता त्रस्त

संवाददाता—गोरखपुर। कांग्रेस पदाधिकारियों ने सोमवार को बेलीपार टोल प्लाजा के सामने धरना प्रदर्शन किया। नारेबाजी की। स्थानीय पुलिस ने इन्हें किनारे किया। निवर्तमान जिलाध्यक्ष नर्मला पासवान ने आरोप लगाया कि पुलिस ने धक्का मुक्की कर कांग्रेसी पदाधिकारियों को किनारे किया।

बताया कि पहले ही टोल प्लाजा पर स्थानीय जनता के साथ अवैध वसूली न हो सके, इसे लेकर डीएम व अन्य अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा गया था और 48 घंटे का समय दिया गया था।

लेकिन, नतीजा नहीं निकलने पर कांग्रेस पदाधिकारियों ने फिर से धरना प्रदर्शन किया।

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक—**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक—**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय—
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय—
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय—
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com